पटना ● गुरुवार, 12 सितम्बर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः243 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

जिलाधिकारी ने बाल गृह व बालिका... 3 www. bordernewsmirror.com आलिया भट्ट की 'जिगरा'... 8

कर्फ्यू, इंटरनेट बैन और 2000 जवान फिर पहुंचे

मणिपुर में नहीं संभल रहे हालात,तनावपूर्ण माहौल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में एक बार फिर से माहौल तनावपूर्ण हो गया है। बीते कुछ दिनों में हुई झड़पों के चलते हालात ऐसे हैं कि तीन जिलों में कर्फ्यू लगाना पड़ा है और इंटरनेट भी सस्पेंड किया गया है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि लोगों के बीच अफवाह फैलने से रोका जा सके। अभी 5 दिनों के लिए इंटरनेट पर रोक रहेगी। वहीं कांग्रेस का कहना है कि इस मामले में होम मिनिस्टर अमित शाह को दखल देना चाहिए। बीते साल से ही राज्य में कुकी और मैतेई समुदाय के लोगों के बीच झड़पों का दौर जारी है। ऐसी हिंसा फैली है कि कई जिलों में एक-दूसरे के समुदाय के लोगों पर लगातार हमले हो रहे हैं। इनर मणिपुर से कांग्रेस के सांसद ए. बिमोल अकोइजाम ने अमित शाह को पत्र भी लिखा है और मांग की है कि हिंसा की हालिया घटनाओं की जांच की जाए। उन्होंने कहा कि इस उपद्रव में ड्रग्स माफिया और बाहरी तत्वों का भी योगदान है। इसके अलावा उन्होंने इसके पीछे विदेशी साजिश को भी वजह बताया है। फिलहाल नए सिरे से फैली हिंसा ने मणिपुर में एक बार फिर से उबाल पैदा कर दिया है। मणिपुर के उच्च शिक्षा विभाग ने सभी सरकारी और निजी कॉलेजों को 11 और 12 सितंबर को बंद ही रखने का आदेश दिया है। राज्य भर में चल रहे प्रदर्शनों के कारण यह फैसला लिया गया है। हालात यह हैं कि मणिपुर में कई जगहों पर उपद्रवियों ने ड्रोन और रॉकेट तक से हमले किए हैं। इस बीच राज्य पुलिस ने एंटी ड्रोन सिस्टम्स की तैनाती है। इसके अलावा बड़े पैमाने पर इनकी खरीद भी की जा रही है क्योंकि सरकार के पास यह पर्याप्त मात्रा में नहीं हैं। बीते सप्ताह मणिपुर के जिरीबाम जिले में एक बार फिर से हिंसा भड़क गई थी। इसके चलते 6 लोगों की मौत हो गई थी। अब तक मिली जानकारी के अनुसार संदिग्ध कुकी उपद्रवियों ने मैतेई समुदाय बहुल गांव नुंगचप्पी में हमला बोला था। यह गांव इंफाल से 229 किलोमीटर दूर है। इसके बाद यह हिंसा भड़की थी। जिरीबाम वह जिला है, जहां से शांति की उम्मीद जगी थी। यहीं पर मैतेई और कुकी समुदाय के नेताओं को बिठाया गया था। इनके साथ सुरक्षा बलों के कमांडर भी मौजूद थे। इस बैठक में दोनों समुदायों के लोगों ने शांति की ओर बढ़ने पर सहमति जताई थी, लेकिन विवाद थमा नहीं है। शुक्रवार की शाम को तो हालात ऐसे थे कि उपद्रवियों की भीड़ ने कैंप में हमला बोला दिया।

कर्नाटक में कुछ बड़ा होने के बन रहे आसार

● यूएस में मिले राहुल गांधी और डीके शिवकुमार, बढ़ गई अटकलें

बेंगलुरु (एजेंसी)। जमीन मामले को लेकर कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया नेतृत्व को बदलने की अटकलें जारी हैं। हालांकि, इसे लेकर कांग्रेस की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। इसी बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और सांसद राहुल गांधी की अमेरिका में मुलाकात ने चर्चाएं तेज कर दी हैं। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की है, जिससे पार्टी के भविष्य के नेतृत्व को लेकर नई अटकलें पैदा हो गई हैं। शिवकुमार ने अमेरिका की अपनी निजी यात्रा के दौरान गांधी से मुलाकात की है।

एक दिन शादी नहीं चली और देने पड़े 50 लाख

● दहेज उत्पीड़न कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने भी जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा के मामलों से निपटने वाला सेक्शन 498ए देश में सबसे ज्यादा दुरुपयोग किए जाने वाला कानून है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को यह बात कही। जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्र और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने एक वैवाहिक मामले में विवाद की सुनवाई करते हुए यह बात कही। जस्टिस गवई ने गुजारा भत्ते पर सुनवाई करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में आजादी पाना ही सबसे अच्छी चीज है। अपनी इस टिप्पणी को विस्तार देते हुए जस्टिस गवई ने एक केस को भी याद किया। उन्होंने कहा कि एक मामला ऐसा भी आया था, जब पति एक दिन भी पत्नी के साथ नहीं रहा। लेकिन जब वे अलग हुए तो 50 लाख रुपये

की रकम उसे पत्नी को देनी पड़ी। जस्टिस गवई ने कहा, मैंने नागपुर में एक केस देखा था। उस मामले में युवक अमेरिका जाकर बस गया। उसकी शादी एक दिन भी नहीं चल पाई, लेकिन पत्नी को केस चलने पर 50 लाख रुपये की रकम देनी पड़ गई। मैं तो खुलकर कहता रहा हूं कि घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न के कानून का सबसे ज्यादा गलत इस्तेमाल होता है। मेरी बात से शायद आप लोग सहमत होंगे। सेक्शन 498ए को लेकर लंबे समय से चर्चा रही है। इस कानून के आलोचकों का कहना रहा है कि अकसर महिला के परिवार वाले इस कानून का बेजा इस्तेमाल करते हैं। रिश्ते खराब होने पर पति और उसके परिवार वालों को धमकी दी जाती है।

संजौली मस्जिद का अवैध निर्माण हटाने को लेकर बवाल

हिंदू संगठनों का जबरदस्त प्रदर्शन,पुलिस के बैरिकेड तोड़े,पथराव

पुलिस का लाठीचार्ज,वाटर कैनन चलाई,पथराव में सिपाही घायल

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में बुधवार को मस्जिद का अवैध निर्माण गिराने की मांग को लेकर हिंदू संगठन देवभूमि ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है। शिमला के संजौली स्थित इस मस्जिद का रास्ता ढली टनल से होकर गुजरता है। प्रदर्शनकारियों ने यहां सड़क पर हनुमान चालीसा पढ़ा और जय श्रीराम के नारे लगाए। उन्होंने पुलिस के बैरिकेड तोड़ दिए। पुलिस ने 2 बार लाठीचार्ज किया और वाटर कैनन चलाई गई। पत्थरबाजी और झड़प में एक प्रदर्शनकारी और सिपाही घायल हुआ है। संजौली मस्जिद 1947 से पहले बनी थी। 2010 में इसकी पक्की इमारत बननी शुरू हुई तो नगर निगम में शिकायत की गई थी। अब मस्जिद 5 मंजिला है। नगर निगम 35 बार अवैध निर्माण तोड़ने का आदेश दे चुका है। ताजा विवाद 31 अगस्त से शुरू हुआ, जब 2 गुटों के बीच मारपीट हुई। इसके बाद हिंदू संगठनों ने मस्जिद का अवैध निर्माण गिराने की मांग की। डीसी अनुपम कश्यप ने संजौली में धारा 163 लागू की है। इसके तहत सुबह 7 बजे से रात 11.59 बजे तक 5 या इससे ज्यादा लोगों को इकट्ठे होने या हथियार लेकर चलने की इजाजत नहीं होगी। पुलिस ने मंगलवार रात को संजौली में शांति बनाए रखने के लिए फ्लैग मार्च भी निकाला था। सरकारी और प्राइवेट ऑफिस, स्कूल, बाजार पूरी तरह से खुले रहेंगे। किसी भी व्यक्ति को धरना-प्रदर्शन करने की इजाजत नहीं है।

हाईकोर्ट ने 4 आतंकियों की फांसी को उम्रकैद में बदला

पटना (एजेंसी)। पटना के गांधी मैदान में 27 अक्टूबर 2013 को नरेंद्र मोदी की हुंकार रैली में हुए सीरियल ब्लास्ट में पटना हाईकोर्ट ने 4 आतंकियों की फांसी को उम्रकैद में बदला है। सिविल कोर्ट ने सभी को फांसी की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने बाकी 2 दोषियों की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। ब्लास्ट में निचली अदालत ने 4 को फांसी और 2 को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। दोषियों के वकील इमरान घानी ने बताया कि अपील पर सुनवाई करते हुए 4 दोषियों को आजीवन कारावास (30 साल) की सजा सुनाई है, जबकि 2 दोषियों के लिए निचली अदालत के फैसले को सुरक्षित रखा है। यह फैसला जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने दिया है।

सीएम केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 25 सितंबर तक बढ़ी

● सीबीआई की चार्जशीट पर दाखिल किया जवाब, एएपी विधायक को जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। शराब नीति केस में भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 25 सितंबर तक बढ़ाई गई है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। इसी मामले में आरोपी और एएपी विधायक दुर्गेश पाठक को अदालत ने जमानत 1 लाख रुपए के बॉन्ड पर जमानत दे दी है। सीबीआई की सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर होने के बाद कोर्ट के समन पर वे अदालत में पेश हुए थे। दरअसल, सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल, दुर्गेश पाठक, विनोद चौहान, आशीष माथुर, सरथ रेड्डी के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश की थी। 3 सितंबर को कोर्ट ने चार्जशीट पर संज्ञान लिया। कोर्ट ने सभी आरोपियों को 11 सितंबर तक अदालत में पेश होकर जवाब दाखिल करने के लिए कहा था।

भारी बारिश से फिर पानी-पानी हुए एमपी और राजस्थान

एमपी के 21 जिलों में बिगड़े हालात, राजस्थान में डैम ओवरफ्लो

नोएडा स्टेडियम में पानी भरा,न्यूजीलैंड-अफगानिस्तान टेस्ट नहीं हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में 2 दिनों से लगातार बारिश हो रही है। बुधवार को 21 जिलों में भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, हरदा, गुना और अशोकनगर में रेड अलर्ट जारी किया है। सितंबर के सबसे स्ट्रॉन्ग सिस्टम से पूरा मध्यप्रदेश तरबतर हो रहा है। भोपाल, नर्मदापुरम समेत प्रदेश के कई जिलों में मंगलवार से बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने बुधवार को विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, हरदा, गुना और अशोकनगर में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। राजस्थान के जयपुर में आज तेज हवा के साथ बारिश हो रही है। ब्यावर जिले का नंदा बांध 25 साल बाद ओवरफ्लो हुआ तो लोग बैंड बाजे के साथ नाचने-गाने लगे। राज्य में 15 सितंबर तक बारिश का अनुमान है। दिल्ली-एनसीआर में बारिश की वजह से नोएडा क्रिकेट स्टेडियम में पानी भर गया है। इसकी वजह से न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान के बीच पहला टेस्ट मैच तीसरे दिन भी नहीं खेला जा सका। छत्तीसगढ़ में पिछले दो दिनों से बारिश हो रही है। इंद्रावती व चिंतावागु नदी उफान पर है।

सुकमा और बीजापुर का महाराष्ट्र, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से संपर्क टूट गया है। आज भी यलो अलर्ट है। ओडिशा के 7 जिलों में भी तेज बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात हैं। बचाव अभियान के दौरान 2 हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया है। मलकानगिरी, कोरापुट और गंजाम में कई इलाकों की सड़कें बह गई हैं।

महाराष्ट्र में महायुति का बिगड़ा गणित, बढ़ गई है मुश्किल !

शिंदे चाहें 105 सीटें,एनसीपी मांगे 80, बीजेपी सहयोगियों में उलझी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कुछ महीनों का समय बाकी है। इसी बीच खबरें हैं कि महायुति में सीट शेयरिंग को लेकर पेच फंस रहा है। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की तरफ से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। खास बात है कि हाल ही में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह महाराष्ट्र पहुंचे थे। कहा जा रहा है कि उस दौरान ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना ने सीटों की डिमांड रख दी थी। रिपोर्ट के अनुसार, शिवसेना 100 से 105 सीटों पर दावा पेश कर रही है। वहीं, भाजपा 160 सीटों पर उम्मीदवार उतारना चाहती है। जबकि, उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी 60 से 80 सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा जता रही है। महाराष्ट्र में विधानसभा सीटों की कुल संख्या 288 है। इससे पहले साल 2019 का विधानसभा चुनाव भाजपा और अविभाजित शिवसेना ने साथ मिलकर लड़ा था। अखबार से बातचीत में पार्टी के एक पदाधिकारी ने बताया कि केंद्रीय गृहमंत्री शाह के दौरे के दौरान शिवसेना ने 100 से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की बात रखी है। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव में भी पार्टी के प्रदर्शन का प्रेजेंटेशन दिया गया।

कनाडा में भारतीय लोगों के लिए बढ़ गई और मुश्किल

● स्टडी वीजा देने में सख्त हुआ ट्रूडो का देश, 50 फीसदी की गिरावट

ओट्टावा (एजेंसी)। कनाडा में अध्ययन की चाहत रखने वाले भारतीयों के लिए अब काफी मुश्किल होने वाली है। उत्तर अमेरिकी देश में इस साल स्टडी परमिट की मंजूरी में 50 फीसदी की गिरावट आने की उम्मीद है। जस्टिन ट्रूडो की लिबरल सरकार देश में अप्रवासियों की संख्या को कम करने के लिए कठोर रुख अपना रही है। इसके तरहत वीजा मंजूरी को एक बार फिर 2018 और 2019 के स्तर पर वापस आने का अनुमान है। कनाडाई मीडिया आउटलेट द ग्लोब एंड मेल ने मंगलवार को प्रकाशित रिपोर्ट में इसके बारे में जानकारी दी है। इस जानकारी के लिए अप्लाईबोर्ड के आंकड़ों का हवाला दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, इस साल की पहली छमाही में भारत से अध्ययन परमिट की मंजूरी आधी हो गई। यब बताने के लिए काफी है कि बाकी का साल कैसा रहेगा। अप्लाईबोर्ड एक कंपनी है जो अंतरराष्ट्रीय छात्रों को दुनिया भर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से जोड़ती है। इसकी रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024 के अंत तक दिए जाने वाले स्टडी परमिट की संख्या 231,000 से थोड़ी ज्यादा होगी।

भारत विरोधी सांसद इल्हान से मिलकर बुरे फंसे राहुल गांधी

भाजपा हमलावर,पीओके को पाकिस्तान का हिस्सा कहा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता विरोधी दल राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा विवादों में घिरती नजर आ रही है। उन्होंने भारत विरोधी अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से भी मुलाकात की है। इल्हान उमर ने कुछ समय पले पीओके की यात्रा की थी। साथ ही उन्होंने कश्मीर पर भारत के नियंत्रण की भी आलोचना की थी। ऐसा माना जाता है कि इल्हान की पीओके यात्रा पाकिस्तान के द्वारा प्रायोजित थी। इतना ही नहीं, इल्हान पर आरोप है कि उन्होंने झूठी खबर फैलाई कि 20 करोड़ मुसलमान नरसंहार के कगार पर हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान विश्वविद्यालयों में छात्रों और शिक्षकों के अलावा भारतीय प्रवासियों से भी बातचीत की थी। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी सांसदों से भी मुलाकात की थी। रेबर्न हाउस ऑफिस बिल्डिंग में हुई बैठक की मेजबानी सांसद ब्रैडली जेम्स शेरमेन ने की और इसमें अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य जोनाथन जैक्सन, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, बारबरा ली, श्री थानेदार, जीसस जी. चुय गार्सिया, इल्हान उमर, हैंक जॉनसन और जान शाकोवस्की शामिल थे। राहुल गांधी ने अमेरिकी राजनयिक डोनाल्ड लू और सांसद प्रमिला जयपाल से भी मुलाकात की। राहुल गांधी के साथ इल्हान उमर की एक तस्वीर सोशल मीडिया में वायरल हो रही है। इसके बाद सत्तारूढ़ भाजपा कांग्रेस और राहुल गांधी पर हमलावर है। पार्टी के प्रवक्ता और आईटी सेल के अध्यक्ष अमित मालवीय ने भी हमला बोला है। मालवीय ने लिखा, राहुल गांधी ने ल्हान उमर से मुलाकात की, जो पाकिस्तान प्रायोजित भारत विरोधी आवाज है।

संक्षिप्त समाचार

कोचिंग सेंटर में गन लेकर पहुंचा छात्र, क्लास में छात्रा को लग गई गोली, हड़कंप

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार में छात्रों द्वारा स्कूल में बंदूक लाए जाने की कई खबरें पिछले कुछ दिनों के दौरान सामने आई हैं। अब एक छात्र कोचिंग संस्थान में बंदूक लेकर पहुंचा और इस दौरान इस बंदूक से एक छात्रा को गोली लग गई। इस घटना से हड़कंप मच गया है। मुजफ्फरपुर जिले में में गोली लगने से घायल छात्रा का इलाज जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सकरा थाना क्षेत्र के एक कोचिंग संस्थान में यह छात्र पिस्तौल लेकर आया था। बताया जा रहा है कि कोचिंग सेंटर में अंग्रेजी की क्लास चल रही थी। क्लास खत्म होने के बाद अचानक क्लासरूम में गोली चली और एक छात्रा लहुलूहान हो गई। अचाक गोली चलने से वहां अफरातफरी मच गई और शिक्षक तथा छात्र चौंक गए। बताया जा रहा है कि घायल छात्रा ने कहा है कि कोचिंग क्लास में उसके पीछे बैठे एक लड़के ने गोली चलाई है। रिपोर्ट में यह भी कहा जा रहा है कि गोली चलाने वाला छात्र लड़की के ही गांव का है। बताया जा रहा है कि क्लासरूम में गोली चलने के बाद आरोपी छात्र फरार हो गया। जख्मी लड़की को किसी तरह इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं पुलिस ने कहा है कि अभी इस मामले की छानबीन की जा रही है। छात्र की भी तलाश की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कोचिंग क्लास के छात्र के पास बंदूक कहां से आई? आपको याद दिला दें कि कुछ दिनों पहले सुपौल जिले के एक स्कूल में नर्सरी का छात्र बंदूक लेकर विद्यालय में आया था। इस छात्रा ने स्कूल में पढ़ने वाले एक तीसरी क्लास के बच्चे को गोली मार दी थी।

पुलिस की गाड़ी पलटी, सिपाही की मौत, दरभंगा में पिकअप वैन का पीछा करने के दौरान हादसा

दरभंगा , एजेंसी। बिहार के दरभंगा में मनीगाछी थाना क्षेत्र के ह॥ 27 पर वाहन चेकिंग अभियान के दौरान तेज गति से पिकअप का पीछा करते हुए गश्ती गाड़ी पलट गई. पुलिस की गाड़ी के पलटने से चालक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई. वहीं घटना में 3 अन्य पुलिसकर्मी बुरी तरह घायल हो गए. जिनका इलाज मधुबनी जिला के पंडौल स्थित निजी अस्पताल में चल रहा है. जहां उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जाती है.

दरभंगा में पुलिस गाड़ी पलटी: इस हादसे में पुलिस वाहन चालक औरंगाबाद निवासी विनोद कुमार सिंह के पुत्र सिपाही रवि कांत कुमार घटनास्थल पर ही मौत हो गई. वहीं घटना की जानकारी मिलते ही मनीगाछी थाना के अधिकारी मौके पर पहुंचकर घायल प्रमोद कुमार सिंह, बिपिन कुमार पासवान, सतेंद्र कुमार सिंह सहित टेम्पो में चोटिल यात्री को इलाज के लिए मधुबनी जिला के पंडौल स्थित निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया. मृतक चालक का शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

एनएच 27 पर हुआ हादसा: बताया जाता है कि मंगलवार को मनीगाछी थाना की पुलिस एनएच 27 पर वाहन चेकिंग अभियान चला रखा था. उसी क्रम में तेज गति से आ रहे पिकअप वैन को रुकने का इशारा किया गया. जिसपर पिकअप का चालक अपनी गाड़ी को और तेज कर भागने लगा. यह देखकर गश्ती गाड़ी ने पिकअप वैन का पीछा करना शुरू कर दिया. तभी यात्रियों से भरे एक ऑटो को ठोकर मारते हुए पुलिस गाड़ी सड़क के दक्षिण किनारे अनियंत्रित होकर सड़क से करीब दस फीट नीचे पलट गई. मनीगाछी थाना की पुलीस गश्ती की गाड़ी दुर्घटना ग्रस्त हो गई है. राजे टॉल प्लाजा से आगे हादसा हुआ है. इसमें हमारे सिपाही रवि कांत कुमार का निधन हो गया है. कई जवान घायल हैं. सभी का पंडौल में इलाज चल रहा है.

नालंदा में मशरूम की खेती करने वालों को होगा फायदा :सरकार दे रही है 90 प्रतिशत अनुदान पर मशरूम किट

नालंदा, एजेंसी। नालंदा के किसानों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। राज्य सरकार ने मशरूम की खेती को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। इस योजना के तहत, किसानों को 90 प्रतिशत अनुदान पर मशरूम किट उपलब्ध कराई जाएगी। नालंदा जिला उद्यान पदाधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि हमारा लक्ष्य है, नालंदा जिले में 23 हजार मशरूम किट का वितरण करना। यह योजना किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफा कमाने का अवसर प्रदान करेगी।

भागलपुर से हावड़ा के लिए चलेगी वंदे भारत एक्सप्रेस: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे उद्घाटन

15 सितंबर को कार्यक्रम का आयोजन; एडीआरएम ने दी जानकारी

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर से हावड़ा के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की शुरुआत इसी महीने होने जा रही है। वंदे भारत के परिचालन से भागलपुर के लोग पांच से छह घंटे में हावड़ा तक की सफर तय कर पाएंगे। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा।

मालदा रेल मंडल की ओर से जानकारी दी गई है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस ट्रेन का वाराणसी से ऑनलाइन उद्घाटन करेंगे। 15 सितंबर को भागलपुर रेलवे स्टेशन पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। ट्रेन प्लेटफार्म नंबर छह से रवाना होगी। उद्धघाटन के दिन ट्रेन भागलपुर स्टेशन से दिन में 11 बजे रवाना होगी और विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए 8 बजे हावड़ा पहुंचेगी।

ट्रेन स्टॉपेज और टाइम टेबल की जानकारी : 15 सितंबर सुबह 11 बजे भागलपुर स्टेशन से खुलकर 11:30 बजे बारहर पहुंचेगी। मिनट के ठहराव के बाद बांका के सांसद हरी झंडी दिखाते हुए इसी रवाना करेंगे। बारहट के बाद मंदार, हिल, हंसडीहा, नौनीहाट, दुमका, रामपुरहाट, बोलपुर, होते हुए रात 8 बजे हावड़ा पहुचेंगी। उद्धघाटन वाले दिन वंदे भारत सभी स्टेशनों पर 20 - 20 मिनट तक रुकेगी। जिस वजह से रेलवे की तरफ से ट्रेन की रेगुलर टाइमिंग जारी नहीं की गई है।

ट्रेन कोच और सुरक्षा की व्यवस्था : वंदे भारत ट्रेन फिलहाल 8 कोच के साथ चलेगी। इन आठ कोच में से 2 एक्सक्लूसिव क्लास के कोच, 6 एसी चेयर कार होगा। एग्जीक्यूटिव क्लास की सीट चारों ओर घूमेगी। ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा आरपीएफ के हवाले रहेगी। ट्रेन खुलने पर ट्रेन में स्कॉर्ट पार्टी के रूप में आरपीएफ के अधिकारी व जवान रहेंगे। अकेले सफर करने वाली महिला व लड़कियों को सुरक्षित यात्रा कराने के लिए मेरी सहेली महिला आरपीएफ बल के अधिकारी की टीम तैनात रहेगी।

कितनी तेज चलेगी भागलपुर-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस

वंदे भारत एक्सप्रेस आमतौर पर 130 किमी प्रति घंटे के रफ्तार से चलती है लेकिन भागलपुर-दुमका रेलखंड पर यह ट्रेन 110 किमी की स्पीड से ही चलेगी। सिंगल लाइन होने की वजह से ट्रेन की गति कम रहेगी। दुमका के बाद यह 130 किमी प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ेगी। इस रूट से भागलपुर से हावड़ा की दूरी करीब 400 किमी है। यह ट्रेन पूरी तरह यानी 100त्न स्वदेशी है। इसकी रफ़्तार बहुत ही कम समय में 160 किलोमीटर प्रति घंटे से बढ़कर 200 किलोमीटर प्रति घंटे हो जाती है। भारत की ट्रेनों में इंजन का एक अलग से कोच होता है। लेकिन वंदे भारत ट्रेन में मेट्रो की तरह ट्रेन में ही इंजन होता है।

शहर की पहली और जिले की दूसरी वंदे भारत

भागलपुर से हावड़ा के बीच संभावित वंदे भारत शहर से चलने वाली पहली और जिले से गुजरने वाली दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस होगी। इससे पहले पटना से एनजेपी वंदेभारत को नवगछिया होकर इसी साल मार्च में चलाया गया था। ट्रेन नंबर 22233/22234 न्यू जलपाईगुड़ी–पटना वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन प्रधानमंत्री ने 12 मार्च 2024 को किया था। बता दें कि मकर संक्रांति के दिन भागलपुर शहर से अगरतला–आनंद विहार तेजस राजधानी ट्रेन को भी चलाया गया था।

एडीआरएम ने दी गेस्ट लिस्ट की जानकारी

बता दें कि मालदा के एडीआरएम शिव कुमार प्रसाद ने इस बात की पुष्टि की है। 15 सितंबर को भागलपुर से चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस कार्यक्रम में रेल डिवीजन के बड़े अधिकारी, भागलपुर सांसद अजय मंडल, खगड़िया सांसद राजेश वर्मा के अलावा भागलपुर विधायक, एमएलसी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। इस कार्यक्रम में डीआईजी, डीएम, एसएसपी को भी बुलाया जायेगा।

सासाराम में ट्रेनिंग दी, गया में बना दिया फर्जी टीसी :रेलवे में नौकरी के नाम पर ठगी करने वाला गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर पुलिस ने रेलवे में नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने ठगी के मास्टरमाइंड सचेंद्र शर्मा उर्फ दादा (78) को ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। वह दो दशक से रेलवे में बहाली के नाम पर लोगों को ठग रहा था। पुलिस ने उसे मुजफ्फरपुर के मेहंदी हसन रोड से पकड़ा है। सचेंद्र शर्मा ने ग्रुप सी में स्पोर्ट्स कोटा के तहत टीसी की नौकरी लगवाने के लिए एक युवक को सासाराम में 4 महीने तक ट्रेनिंग दिलाई। इसी साल 7 सितंबर को जॉइनिंग लेटर भी दिया, जिसे लेकर वह गया के वजीरगंज रेलवे स्टेशन गया। स्टेशन मास्टर को जॉइनिंग लेटर दिया तो उसने देखते ही कहा कि सभी कागज फर्जी हैं। इसके बाद उसने स्नद्ब्रक्रदर्ज की और सचेंद्र पकड़ा गया। मामले में नामजद 6 आरोपी फरार हैं। सचेंद्र शर्मा के पास से एक बैंक चेक, 4 मोबाइल, जॉइनिंग लेटर, पूर्व रेलवे के कागजात आदि जब्त किए गए हैं। गिरोह का नेटवर्क देश के कई राज्यों में फैला है। वह नौकरी के नाम पर एमपी, राजस्थान और ओडिशा में भी फर्जीवाड़ा कर चुका है। ठगी के शिकार सौरभ कुमार और उसके दोस्त मोहन कुमार ने बेला थाने में स्नद्ब्रक्रदर्ज कराई थी। इसमें सचेंद्र शर्मा के अलावा भजन गायिका, सोनू मुस्कान, आलू-प्याज के व्यवसायी श्याम बाबू सिंह, कबीर, अहियापुर थाना के बिंदा बिहारी वर्मा उर्फ वर्मा, राजीव मिश्रा उर्फ मिश्रा को आरोपी बनाया गया। इसी आधार पुलिस ने कार्रवाई की और सचेंद्र को पकड़ा।

6 लोगों को अभियुक्त बनाया गया है : एएसपी टाउन भानु प्रताप सिंह ने बताया कि ठगी मामले में कार्रवाई की गई है। गिरोह से जुड़े हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में कुल 6 लोगों को अभियुक्त बनाया गया है। बाकी अन्य जिले के रहने वाले हैं। यह एक ऑर्गेनाइज मोड में काम करने वाला गिरोह है और पूरे बिहार के अलग-अलग जिले में फैला हुआ है।आशंका है कि इस गिरोह के चंगुल में अब तक कई लोगों से ठगी हुई है। यह आंकड़ा करोड़ रुपए का हो सकता है।

थाने में कराई गई प्रेमी जोड़े की शादी :वैशाली में 10 साल से संपर्क में थे, परिजनों के विरोध पर कोर्ट पहुंचे दोनों

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली के बिदूपुर थाने में स्थित ब्रह्मस्थान मंदिर में मंगलवार की देर रात एक प्रेमी जोड़े की शादी कराई गई। मामला बिदूपुर थाना क्षेत्र के माइल गांव की है। बताया जा रहा है कि दोनों एक दूसरे को पिछले दस साल से एक-दूसरे को जानते थे। लड़की चकौसन गांव निवासी राजेश सिंह की बेटी आयुषी कुमारी (28) है। वहीं लड़का माइल गांव निवासी राजेश कुमार का बेटा निशांत कुमार (29) है। दोनों बचपन से ही एक साथ स्कूल आते जाते थे। दोनों के बीच स्कूल में ही दोस्ती हुई। फिर दोनों में प्यार हो गया। दोनों एक साथ जीने-मरने को तैयार हो गए। इसकी जानकारी जब लड़की के परिजनों को लगी तो विरोध करना शुरू कर दिया और लड़के के परिजनों से भिड़ गए। मामला थाने तक पहुंच गया। सोमवार को थाने पर दोनों के परिजन और पक्षकारों की भीड़ लगी रही। गहमागहमी बढ़ता देख थानाध्यक्ष अरूण कुमार ने कार्रवाई करते हुए दोनों को हिरासत में ले लिया और प्राथमिकी दर्ज कर लिया। इसके बाद लड़की ने हाजीपुर न्यायालय में अपने स्वेच्छा से लड़के के साथ रहने की सहमति जताई है और अपने माता-पिता के घर जाने से इंकार कर दिया।

सड़क बन गई खेत, पुरुष चलाने लगे हल-बैल और धान की रोपनी करनें लगीं महिलाएं

गया में अनोखा विरोध

गया, एजेंसी। बिहार के गया के मोहनपुर प्रखंड अंतर्गत आमकोला गांव में अजब नजारा देखने को मिला यहां ग्रामीण पुरुषों ने सड़क पर पहले हल चलाया इसके बाद ग्रामीण महिलाओं ने धान की रोपनी शुरू कर दी. सड़क के किनारे बड़े-बड़े गड्ढों में धान की रोपनी महिलाएं कर रहीं महिलाओं का कहना था कि यह सड़क नहीं खेत है, इसलिए वे लोग इसमें धान की रोपनी कर रही हैं. दरअसल, मोहनपुर प्रखंड मुख्यालय से शुरू हुई यह सड़क आमकोला समेत दर्जन भर गांवों को जोड़ते हुए 20 किलोमीटर लंबी है, यह सड़क नेशनल हाइवे को भी जोड़ती है. पिछले एक दशक से भी अधिक समय से इस सड़क की ओर किसी ने पलट कर नहीं देखा, यह काफी खराब स्थिति में आ चुकी है.

जानकारी के अनुसार, आरडब्लूडी की योजना से यह सड़क 2011-12 में बनी थी. 12 साल बीत गए, लेकिन इस सड़क का निर्माण के बाद से इसकी मरम्मत एक बार भी नहीं हुई, नतीजतन सड़क में पैदल चलना मुश्किल है. इस सड़क पर सिर्फ ट्रैक्टर या बैलगाड़ी ही चल सकते हैं चार पहिया और दो पहिया वाहनों को चलाना काफी मुश्किल है. अगर किसी की तबीयत खराब हो जाती है तो यहां एंबुलेंस तक नहीं पहुंच पाती है.

गया की मोहन पुर ब्लॉक से आमकोला सड़क पर विरोध स्वरूप धान की रोपनी करतीं महिलाए

स्थानीय लोगों का कहना है कि लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी भी वोट मांगने के लिए आए थे और वह सांसद बने और फिर केंद्रीय मंत्री, लेकिन एक बार दोबारा पलट कर यहां नहीं आए. ग्रामीण महिलाएं और स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि संजय कुमार ने बताया कि हम लोग अनोखे तरीके से यह प्रदर्शन कर सरकार को दिखलाना चाह रहे हैं कि आपका सड़के किस हाल में हैं.

विरोध कर रहीं महिलाएं बताती हैं कि यह सड़क नहीं बल्कि खेत है, इसलिए हम लोग रोपनी कर रहे हैं. मुखिया प्रतिनिधि संजय कुमार ने बताया कि कई बार मंत्री विधायक से इसी गुहार लगा चुके हैं लेकिन कोई कुछ नहीं करता. बहरहाल, लोग अनोखे विरोध जरिये अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं. अब देखना है कि क्या स्थानीय लोगों का दर्द सरकार या स्थानीय प्रशासन कब तक सुनता है और इसको लेकर कोई एक्शन लेता है या नहीं.

बिहार में राजद की सरकार में आया जंगलराज, आभार यात्रा से कुछ नहीं होगा : केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे

कैमूर, एजेंसी। बीजेपी के संयुक्त मोर्चा कार्यशाला में केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे कैमूर पहुंचे। उन्होंने राहुल गांधी के अमेरिका में दिए बयान पर कहा कि राहुल गांधी को कोई देश में सीरियस नहीं लेता तो अमेरिका में उनकी बातों का सीरियस कौन लेगा, वह नॉनसेंस व्यक्ति हैं। आगे कहा कि बिहार विधानसभा उपचुनाव में और 2025 के विधानसभा चुनाव में भी हमारी पार्टी की प्रचंड बहुमत से जीत होगी।

उन्होंने कहा कि तेजस्वी के आभार यात्रा में दम नहीं है। जब 1990 से 2005 तक उनकी सरकार थी तो राजद ने बिहार को जंगल राज में धकेलने का काम किया था। राहुल गांधी के विदेश में प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष करने पर कहा कि उनकी बातों को कोई जब देश में सीरियस ही नहीं लेता है तो अमेरिका में कौन लेगा।

तेजस्वी पर कहा आभार यात्रा से कुछ नहीं होगा : वहीं रामगढ़ विधानसभा के उपचुनाव पर बोले कि रामगढ़ सीट हम जीतेंगे और 2025 में भी हमारी प्रचंड बहुमत से चारों के चारों सीट पर जीत होगी। तेजस्वी यादव के आभार यात्रा पर कहा कि आखिर किस चीज का आभार यात्रा निकाल रहे हैं। बिहार में चार सीट जीते उसका आभार, देश में परिवर्तन चाहते थे नहीं हुआ उसका आभार, आखिर किस चीज का आभार यात्रा निकाल रहे हैं। 1990 से लेकर 2005 तक जनता ने उनको एक्सेप्ट किया था। जिस समय राजद की सरकार थी तो उन्होंने बिहार को जंगल राज में झोंक दिया था। क्या उसका आभार करने के लिए निकल रहे हैं। उनके आभार यात्रा से कुछ नहीं होगा वो घूमते रहे।

गलत पैरवी करने पर नहीं मिलेगी मदद

सुधाकर सिंह को थानेदार द्वारा हड़काने के मामले में कहा सुधाकर सिंह के बातों को जब थानाध्यक्ष सीरियस नहीं ले रहे है, इसका मतलब है की वो गलत पैरवी कर रहे हैं। क्योंकि राजद की सरकार में इतिहास रहा है की ब्लॉक, थाने पर जाकर अधिकारियों को हड़काया जाता था। बिहार में सरकार बदली है, यहां कानून के साथ विकास होता है। थाना प्रभारी अपने कानून के हिसाब से मदद कर सकता है, उससे अधिक अपने हिसाब से मदद खोजिएगा या दबाव बनाइएगा तो वह संभव नहीं है। क्योंकि कानून का राज है।

सीतामढ़ी के सरयू हाईस्कूल में एनसीसी का प्रशिक्षण शुरू

सीतामढ़ी, एजेंसी। सीतामढ़ी में दो बिहार बटालियन एनसीसी मुजफ्फरपुर के तत्वावधान में 19 सितम्बर तक प्रशिक्षण चलेगा। इसका शुभारंभ आज हुआ। कल साम तक सिर्फ छात्र छात्राओं का इंट्री लिया गया। नौ दिवसीय सीएटीसी एक्स कैंप का आयोजन किया जाएगा। बता दें की बटालियन के द्वारा तीसरी बार जिले के सरयू उच्च विद्यालय सुरसंड में इस कैंप का आयोजन कर रहा है। इस कैंप के दौरान वैशाली, मुजफ्फरपुर, शिवहर और सीतामढ़ी जिले के विभिन्न कॉलेजों एवं विद्यालयों से 400 छात्र, 200 छात्राएं तथा 50 अधिकारी भाग लेंगे। कैंप के दौरान कैडेट्स हथियार प्रशिक्षण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, मानचित्र अध्ययन, बाधा दौड़, दूरी का अनुमान सहित तौर-तरीका बताया जायेगा और इसमें इन्हें पारंगत बनाया जायेगा।

हथियार के साथ कई तरह की दी जाएगी प्रशिक्षण : इस दौरान इनका कड़ा प्रशिक्षण सत्र संचालित किया जायेगा। इसमें अलग-अलग अधिकारियों और प्रशिक्षकों के द्वारा सत्र संचालित किया जायेगा। इसके साथ ही इन छात्र-छात्राओं को इस दौरान यहां रखकर

अनुशासन का पाठ पढ़ाया जायेगा। इनके अंदर देश प्रेम का जज्बा भरा जायेगा। इस आयोजन को लेकर अग्रिम टीम साफ-सफाई व अन्य व्यवस्था दुरुस्त कर लिया गया है। दो बिहार बटालियन के एनसीसी कमांडिंग ऑफिसर कर्नल के. चट्टोपाध्याय एवं कर्नल विक्रमजीत सिंह ने कैंप से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने एवं आवासीय परिसर को साफ स्वच्छ रखने के लिए अग्रिम टीम के रूप में जेसीओ राजेश कुमार के नेतृत्व में एक दल भेजा है। विद्यालय आवास, बिजली, पानी तथा स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं को विद्यालय प्रधान, बिजली विभाग, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुरसंड, नगर पंचायत सुरसंड के सहयोग से त्वरित गति से दुरुस्त किया जा रहा है।

नाम पूछने के साथ वृद्ध के सिर में मारी गोली, गंभीर

सहरसा, एजेंसी। सहरसा के सोनवर्षाराज थाना क्षेत्र के बिंदटोली गांव के कोपा पंचायत स्थित बिंदटोली गांव में अज्ञात अपराधियों ने मंगलवार की रात आठ बजे के करीब दरवाजे पर बैठे एक 70 वर्षीय जयंत दूबे वृद्ध को गोली मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया । गोली उनके सिर में मारी गयी है। जिससे घायल की स्थिति काफी नाजुकबनी हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत है। घटना की सूचना मिलते ही काशनगर थाना पुलिस गंभीर रूप से जख्मी को अपने वाहन से इलाज के लिए पीएचसी सोनवर्षाराज लाया । जहाँ चिकित्सक द्वारा स्थिति गंभीर देख उसे समुचित इलाज के लिए सदर अस्पताल सहरसा रेफर कर दिया है।

सिर में मारी गोली : घटना के बाबत परिजनों ने बताया कि हथियार बंद अज्ञात एक बदमाश घर के पीछे से आया और नाम पूछने के साथ सिर में पीछे से गोली मारकर फरार हो गया। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार घटनासे थोड़ी देर पहले बिजली गुल हुई थी और घटना के कुछ देर बाद ही बिजली आ गई । घटना का कारण आपसी रंजिश,जमीनी विवाद वबिंदटोली हाट की निविदा हो सकता है। थानाध्यक्ष विक्की रविदास ने बताया कि घटना काकारण तत्काल कुछ बता पानासंभव नहीं है। जांच चल रही है।

चाय के लिए पति ने पत्नी, 8 साल की बेटी और 8 महीने के बेटे की कर दी हत्या

भोजपुर, एजेंसी। भोजपुर में मंगलवार को पति ने पत्नी, 8 साल की बेटी और 8 महीने के बेटे की हत्या कर दी। मर्डर के बाद खंती (जमीन खोदने वाला धारदार हथियार) से तीनों के सिर को धड़ से अलग कर दिए। ट्रिपल मर्डर के पीछे की वजह चौंकाने वाली है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पति लालू यादव ने पत्नी को चाय बनाने के लिए बोला था, लेकिन पत्नी ने चाय बनाने से मना कर दिया और पति का मजाक बनाते हुए हंसने लगी।

इस बात से गुस्साए आरोपी ने कमरा बंद कर तीनों की हत्या कर दी। मर्डर के बाद उसने ससुराल वालों को फोन कर वारदात की जानकारी दी और कहा कि अब लाश ले जाओ। मृतकों में सीमा देवी, बेटी सौम्या कुमारी(8) और बेटा द्विदान्त कुमार(8 माह) शामिल हैं। तीनों की लाश एक ही

कमरे में अर्धनग्न अवस्था में पाई गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी शख्स लालू यादव (35) को गिरफ्तार किया लेकिन वो थाना परिसर से मंगलवार की देर शाम भाग निकला। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी पति मानसिक रूप से विक्षिप्त भी है। उसकी तलाश की जा रही है। घटना अजीमाबाद थाना क्षेत्र के मिल्की गांव की है।

मर्डर के बाद ससुराल वालों को फोन किया

हत्या के बाद आरोपी पत्नी के मायके वालों को फोन किया था और कहा था कि तहार बेटी के काट देले बानी। आके लाश ले जा लोग। वारदात के दौरान महिला और उसके बच्चे चिल्ला रहे थे। ग्रामीणों को लगा था कि रोज की तरह झगड़ा हो रहा, लेकिन जब दर्द भरी आवाज बचाओ-बचाओ की आवाज सभी ने सुनी तब ग्रामीण उसके घर की ओर बढ़े। आरोपी ने ग्रामीणों को भी धमकाया था काट देंगे।

पुलिस को देखकर भागने लगा

लालू यादव के फोन के बाद सीमा देवी के मायके जमुआंव गांव में शंका हुई। मायका वालों ने बताया कि घबरा कर हमलोग मिल्की टोला पहुंचे। देखा कि तीन शव घर में पड़ा था। उसी समय पुलिस आई, लल्लू यादव घर से भागने लगा। भागते हुए लालू यादव को पुलिस गिरफ्तार कर लिया। ग्रामीणों ने बताया कि लल्लू यादव एक सनकी किस्म का व्यक्ति है। वह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। शादी 2014 में संदेश प्रखंड के जमुआव गांव की सीमा के साथ हुई थी।

मानसिक रूप से कमजोर है आरोपी लालू

एसपी प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि लालू मंदबुद्धि का बताया जा रहा है। उसे गिरफ्तार कर पूछताछ हो रही है।

ननिहाल में होने से दूसरी बेटी की जान बची

ग्रामीणों ने बताया कि लालू यादव एक सनकी किस्म का व्यक्ति है। वह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। शादी 2014 में संदेश प्रखंड के जमुआव गांवके सीमा के साथ हुई थी। उसकी दो बेटी सौम्या कुमारी(8), सोनाक्षी कुमारी(7) और एक बेटा द्विदान्त कुमार था। सोनाक्षी कुमारी अपने नानी के घर पर रहती है।

उदय स्टोन क्लिनिक
NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)
9102779809
9801344665

संक्षिप्त समाचार

पीट पीट कर हत्या मामले में दो को आजीवन कारावास

हरसिद्धि थाना कांड संख्या 98/1985 में 39 वर्षों के बाद मुकदमा में आया निर्णय

बीएनएम। मोतिहारी। घटना के 39 वर्ष बाद तृतीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय कुमार ने जमीनी विवाद को लेकर पीट पीट कर हत्या मामले में दोषी पाते हुए नामजद दो अभियुक्तों को आजीवान कारावास व प्रत्येक को बीस बीस हजार रुपये अर्थ दंड की सजा सुनायी है। सजा हरसिद्धि थाना के दुधही निवासी शिवशंकर महतो एवं भानू महतो को हुई। मामले में स्थानीय निवासी मृतक सरयुग महतो के बड़ा भाई रामधारी महतो ने हरसिद्धि थाना कांड संख्या 98/1985 दर्ज कराते हुए आठ के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कराया था। जिसमें कहा था कि 24 मार्च 1985 की सुबह करीब 6.30 बजे घर से थोड़ी दूर पर उसके खेत में लगे गेंहू की फसल को नामजद अभियुक्त काट रहे थे। उसका छोटा भाई सरयुग महतो मना किया तो सभी लोग उसे घातक हथियार से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिए। परिजन उसे घायलावस्था में हरसिद्धि अस्पताल में लाए, जहां ईलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सत्रवाद संख्या 336/1989 विचारण के दौरान अपर लोक अभियोजक नुरुद्दीन अंसारी ने नौ गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन पक्ष रखा। न्यायधीश ने दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद नामजद दोनों अभियुक्तों को दोषी पाते हुए उक्त सजा सुनाए है,वही अन्य अभियुक्तों की मृत्यु धीरे धीरे वाद विचारण के दौरान ही हो गई थी। नामजद अभियुक्तों में दो ही जीवित बचे है, जिसे सजा हुई है।

गांजा तस्करी मामले में एक को पांच वर्षों का सश्रम कारावास

बीएनएम। मोतिहारी। एनडीपीएस कोर्ट -2 के विशेष न्यायाधीश सूर्यकांत तिवारी ने गांजा तस्करी मामले में दोषी पाते हुए नामजद एक अभियुक्त को पांच वर्षों की सश्रम कारावास एवं पचास हजार रुपए अर्थ दंड की सजा सुनाए है। अर्थ दंड नहीं देने पर अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा नेपाल परसा के अकरंगा मनवा थाना के बडेखा मौजा निवासी परमेश्वर भगत थारू को हुई। गुप्त सूचना पर एसएसबी के जवानों ने रक्सौल हरैया पिलर संख्या 393 के समीप 6 अगस्त 2022 को एक बाईक पर सवार दो युवक को संदेह पर पकड़ा। जांच के दौरान एक युवक के पास से 3.800 किलोग्राम गांजा बरामद हुए। वाद विचारण के दौरान विशेष लोक अभियोजक प्रभाष त्रिपाठी ने पांच गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन पक्ष रखा। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद नामजद अभियुक्त को दोषी पाते हुए उक्त सजा सुनाए है।

अनुशासनहीनता के आरोप में प्रधानाध्यापक निलंबित

बीएनएम। मोतिहारी। जिले में बनकटवा प्रखंड क्षेत्र उत्क्रमित मध्य विधालय बेला के प्राधानाध्यापक रविन्द कुमार को अनुशासनहीनता, अपने विधालय के प्रति लापरवाही बरतने और अपर मुख्य सचिव के आदेश की अवहेलना करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। बताया गया है, कि प्रधानाध्यापक ने ईशिक्षा कोर्स के माध्यम से स्वयं उपस्तिथ दर्ज नही करना और ई-शिक्षा कोर्स से बच्चो को आधार से लिंक नही करना जिससे बच्चे को सरकारी लाभ से वंचित हो रहे थे। हालांकि इसको लेकर बीते 5 अगस्त को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कल्पना कुमारी के द्वारा उनसे स्पष्टीकरण की मांग की गयी थी। लेकिन प्राधानाध्यापक रविन्द्र कुमार द्वारा स्पष्टीकरण असंतोष जनक पाया गया और अनुशासनहीनता, कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने और स्वेच्छचारिता उच्चाधिकारी के आदेश को अवेलना के आरोप मे जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना साहेब आलम ने रविन्द्र कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर और निलंबन अवधि मे चिरैया मुख्यालय शिक्षा पदाधिकारी का कार्यालय निर्धारित करने का आदेश निर्गत किया है।

अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक सवार दो लोग घायल, अस्पताल में दोनों का चल रहा है इलाज

घायलों का नाम बताने में थानाध्यक्ष ने जताई असमर्थता,कहा 112 की टीम गयी थी, मामले में आवेदन नहीं प्राप्त है

बीएनएम। सुगौली। थाना क्षेत्र के छपवा -सेमरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर छपरा हनुमान मंदिर स्थान के समीप बाइक पर सवार दो लोगों को अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दिया। जिससे बाइक सवार दोनों बुरी तरह घायल हो गये। जानकारी के मुताबिक बाइक सवार दोनों मोतिहारी की तरफ जा रहे थे। जैसे ही हनुमान मंदिर के समीप मुख्य सड़क पर पहुंचे अचानक किसी वाहन ने ठोकर मार दी। जिससे दोनों सवार गंभीर रूप से जख्मी होकर सड़क पर गिर पड़े। दुर्घटना को अंजाम देने वाले वाहन का पता नहीं चल पाया है। सूचना पर पहुंची डायल 112 की टीम ने घटना की जानकारी ली और घायलों को इलाज के अस्पताल में भेज दिए। थानाध्यक्ष ने घटना की पुष्टि की है। दुर्घटना में घायलों के नाम के बावत पूछने पर स्थानीय थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने असमर्थता जताते हुए बीएनएम जिला संवाददाता को बताया कि घटना स्थल पर 112 की टीम गयी थी। स्थानीय थाने में इस घटना को लेकर कोई आवेदन नहीं मिला है।

बाइक एक्सीडेंट में युवक की मौत, दूसरा गंभीर

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के पताही थाना क्षेत्र के पदुमकेर गांव स्थित चबूतरा के पास बुधवार को बाइक एक्सीडेंट में एक युवक की मौत हो गई। बाइक सवार दुसरा गंभीर रूप से जख्मी बताया जा रहा है। मृत युवक की पहचान शिवहर जिला के पिपराही थाना क्षेत्र के अंबा कलां निवासी 24 वर्षीय मनीष कुमार के रूप में हुई है। जबकि घायल युवक की पहचान तरियानी के छपरा सांवली गांव निवासी चंदन राम के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मृत युवक एवं घायल युवक दोनो रिश्ते में जीजा साला लगते थे। मृतक अपनी बहन के घर बाइक चलाकर बखरी से अपने घर अंबा लौट रहा था। जबकि उसके जीजा पीछे बैठे हुए थे।इसी दौरान बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिसमे मनीष की मौके पर ही मौत हो गई।वही घायल युवक को इलाज के लिए पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां घायल युवक का इलाज चल रहा है।

जिलाधिकारी ने बाल गृह व बालिका गृह का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में जिला निरीक्षण समिति द्वारा बुधवार को बाल देख-रेख संस्थानों बाल गृह (बालक), बालिका गृह, पर्यवेक्षण गृह विशिष्ट दत्तकग्रहण संस्थान का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी सर्वप्रथम विशिष्ट दत्तकग्रहण संस्थान गए। वहां पर आवासित 01-06 वर्ष के बच्चों को दी जाने वाली सभी सुविधाओं का जायजा लिया तथा बच्चों का नियमित स्वास्थ्य जाँच कराने एवं समय पर ईलाज कराने के लिए निर्देश दिया। वहां से निकलकर जिलाधिकारी बालिका गृह गए। बालिका गृह निरीक्षण के क्रम में बालिकाओं को दी जाने वाली सुविधाओं का जायजा लिया गया। यहां पर जिलाधिकारी ने बच्चियों को दिए जा रहे भोजन की जानकारी प्राप्त की एवं भोजन चखकर भोजन की गुणवत्ता की जाँच की। बच्चियों के शैक्षणिक विकास के लिये जिलाधिकारी द्वारा जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, सर्व शिक्षा अभियान को शिक्षकों को प्रतिनियुक्त करने का निदेश दिया गया। यहां पर बच्चियों के सुरक्षा का खयाल रखने के लिये पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) को निदेशित किया गया। उक्त मौके पर बालिका गृह की बच्चियों द्वारा स्वंय से बनाया हुआ हैंडीक्राफ्ट जिलाधिकारी को दिया गया। जिसकी जिलाधिकारी ने खूब तारीफ की। बाल गृह (बालक) के निरीक्षण के दौरान बालकों को दी जाने वाली सुविधाओं का जायजा लिया गया। यहां भी बच्चों द्वारा स्वंय से बनाया हुआ हैंडीक्राफ्ट जिलाधिकारी को दिया गया जिसका जिलाधिकारी द्वारा प्रशंसा किया गया तथा शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में extra-curricular activity विकसित कराने के लिये सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई को निदेशित किया गया। पर्यवेक्षण गृह के निरीक्षण के क्रम में वहाँ मौजूद किशोरों से बातचीत की गयी एवं किशोरों को जीवन में पूर्व की गलतियों को भुलाकर आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया गया। पर्यवेक्षण गृह की सुरक्षा व्यवस्था एवं वहां साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया। बाल देख-रेख संस्थानों के निरीक्षण में जिलाधिकारी के साथ सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई/जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग, सिविल सर्जन, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी (एसीएमओ) डॉक्टर श्रवण कुमार पासवान, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, सर्व शिक्षा अभियान, बाल संरक्षण पदाधिकारी एवं अन्य कर्मीगण उपस्थित रहे।

दरियापुर में दिखा तेंदुआ, ग्रामीणों में दहशत

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के संग्रामपुर प्रखण्ड के उत्तरी मधुबनी पंचायत वार्ड तीन दरियापुर गांव में मंगलवार की देर रात तेंदुआ जैसा जानवर दिखने से ग्रामीणों में भय और दहशत व्याप्त है। बताया गया है, कि दरियापुर गांव के मोनाफ खान के घर के बरामदे पर तेंदुआ जैसा जानवर चढ़ गया जान बचाकर घर वालो ने दरवाजा बंद किये,फिर उनके चिल्लाने व हल्ला करने पर दर्जनों ग्रामीण लाठी भाला से लैस होकर तेंदुआ को खदेड़ा। वही उसी गांव की महिला पानकली देवी पति यादव लाल यादव ने बुधवार को दिन के 11 बजे के आस पास नीरज दुबे के घर के उतर बासवारी के पास झाड़ी में उसे देखा। ग्रामीणों के अनुसार अभी भी तेंदुआ गांव बासवारी में छिपा हैं। किसी अनहोनी की घटना से ग्रामीण भयभीत हैं। उतरी मधुबनी पंचायत पंसस सह ग्रामीण नुसरत फातमा, पूर्व सरपंच प्रत्याशी महबूब आलम खान उर्फ बालिस्टर खान, बब्लू खान, नीरज दुबे प्यारे खान आदि ने बताया कि रात्रि में सभी ग्रामीण एक जुट होकर उक्त जानवर को भगाया जो बुधवार के दिन में नीरज दुबे के घर आगे झाड़ी में छिपा है।ग्रामीणों के द्वारा वन विभाग को सूचित किया गया है। वन विभाग के उप परिसर पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि पद चिन्ह देखकर उसकी पहचान की जायेगी की उक्त जानवर तेंदुआ हैं कि कोई और जानवर। वही महिला पानकली देवी जो उक्त जानवर को देखी है उसको एलबम में फ़ोटो दिखाकर पहचान कराया उसके पहचान में तेंदुआ हैं। फिलहाल वन विभाग को अभी जानवर के पदचिन्ह से उसकी पहचान कर उसे पकड़ने में जुटा है।

"प्लमनरी टीबी" से स्वस्थ होकर दूसरों के इलाज में सहयोग करते हैं टीबी चैंपियन "महताब आलम"

बीएनएम। मोतिहारी

- टीबी चैंपियन बन राज्य स्तर पर हो चुके है सम्मानित
- जिला यक्ष्मा केंद्र से छः माह के इलाज से हुए पूरी तरह स्वस्थ

शहर के मिसकॉट, रमना के निवासी 34 वर्षीय महताब आलम उर्फ़ सोनू ऑटो रिक्शा चालक है जो अब "प्लमनरी टीबी" से स्वस्थ होकर अपने घर का गुजारा बेहतर ढंग से करते हुए समय निकालकर दूसरों के इलाज में भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं। महताब आलम ने बताया कि कई वर्षो पहले जब उसके अब्बा का इंतकाल हुआ तो घर की जिम्मेदारी उसके कंधे पर आ गई, वह दिल्ली जाकर रोजी-रोटी के प्रबंध में लग गया, कई वर्षो तक काम करने के बाद उसे अचानक खांसी, कमर दर्द हुआ परन्तु उसने ध्यान न दिया। जब रोग ज्यादा बढ़ा - खांसी, सर्दी, बुखार के बाद जब दम फूलने लगा तो वह घर चला आया। अब उसने प्राइवेट डॉक्टर के द्वारा दी गई दवाओं का सेवन किया। अल्ट्रासॉउन्ड व अन्य जाँच कराया परन्तु बीमारी पकड़ से बाहर थी। जब एक्स रे कराया तब उसे टीबी की जानकारी हुई। वहीं जाँच वाले के सलाह पर उसने जिला यक्षमा केंद्र के अनिल कुमार से सम्पर्क किया तब उन्होंने उसको कफ जाँच कराने को कहा। अब रिपोर्ट बिलकुल स्पष्ट था वह तो वह "प्लमनरी टीबी का मरीज था।

लगातार छः माह दवा का किया सेवन- बीमारी पकड़ में आने तक महताब काफ़ी कमजोर हो चुका था, परन्तु उसने हिम्मत नहीं हारी, टीबी की दवा चलने के दौरान उसे बेचैनी हुई, परन्तु डेढ़ माह दवा सेवन के बाद उसे काफ़ी राहत महसूस हुई। महताब टीबी अस्पताल के डॉक्टर व कर्मियों के सम्पर्क में रहते हुए समयानुसार दवा खाई और पूरी तरह स्वस्थ हो गया।

अब करते है लोगों के जाँच व इलाज में मदद करते है- महताब आलम ने बताया कि जब बीमार हुआ तो लगा की बचना मुश्किल है। अल्लाह की दुआ से जब स्वस्थ हुआ तो ठान लिया की आसपास जो भी टीबी के लक्षण वाले मरीज होंगे उन्हें हौसला देते हुए इलाज करवाऊंगा। उसने बताया कि पड़ोसी नौशाद, के अलावा अगरवा, बलुआ के 15- 16 लोगों का जाँच इलाज करवाया जिनमें कई लोग स्वस्थ है। महताब ने बताया की बिहार - झारखण्ड के इंचार्ज कमल ओझा का फोन आने पर अन्य टीबी चैम्पियनों के साथ 19 दिसम्बर 2023 को पटना गया जहाँ एक निजी होटल में मुझे सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। अब वह ऑटो से कुरियर कम्पनी के लिए कार्य करते है एवं लोगों को टीबी के लक्षण व उससे बचाव का तरीका बताते है की घरों में साफ-सफाई रखें। बीमार व्यक्ति मुंह पर रुमाल लगाकर चले, बीच में दवा न छोड़ें। इलाज के दौरान खूब पौष्टिक खाना खाएं। एक्सरसाइज करें, योग करें।

जिला निरीक्षण समिति सहित बाल देख-रेख संस्थानो का डीएम ने किया निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

डीएम सौरव जोरवाल की अध्यक्षता में बुधवार को जिला निरीक्षण समिति ने बाल देख-रेख संस्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान समिति ने बाल गृह (बालक), बालिका गृह, पर्यवेक्षण गृह व विशिष्ट दत्तकग्रहण संस्थान का बारी बारी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम जोरवाल ने विशिष्ट दत्तकग्रहण संस्थान में आवासित 01-06 वर्ष के बच्चों को दी जाने वाली सभी सुविधाओं का जायजा लिया। इसके साथ ही बालक व बालिका गृह में रह रहे बच्चो नियमित स्वास्थ्य जांच कराने एवं समय पर ईलाज कराने के लिए निर्देश दिया। डीएम के नेतृत्व में समिति के सदस्यों ने इन बाल संस्थानो में बच्चो और बच्चियों को दिए जा रहे भोजन को चखकर इसकी गुणवत्ता की भी जांच की। मौके पर डीएम ने बच्चियों के शैक्षणिक विकास के लिए जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, सर्व शिक्षा अभियान को शिक्षकों को प्रतिनियुक्त करने का निदेश दिया। साथ ही बालिका गृह के बच्चियों के सुरक्षा को लेकर पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) को निदेशित किया। उक्त मौके पर बालिका गृह की बच्चियों व बाल गृह के बच्चों ने स्वंय से बनाया हुआ हैंडीक्राफ्ट डीएम को भेट की। जिसकी उन्होंने तारीफ करते हुए बच्चों में शिक्षा के अतिरिक्त रचनात्मक गतिविधि विकसित करने को लेकर सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई को निदेशित किया। समिति ने पर्यवेक्षण गृह के निरीक्षण के क्रम में वहाँ मौजूद किशोरों से बातचीत कर किशोरों को जीवन में पूर्व की गलतियों को भुलाकर आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया गया। निरीक्षण के दौरान सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग, सिविल सर्जन, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, सर्व शिक्षा अभियान, बाल संरक्षण पदाधिकारी, पूर्वी चम्पारण सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

एक्सन में नव पदस्थापित जिलाधिकारी विवेक रंजन, औचक निरीक्षण में दिया कई निर्देश

बीएनएम। शिवहर

जिला के नव पदस्थापित जिला पदाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय के नेतृत्व मे एवं शिवहर पुलिस अधीक्षक अनंत कुमार राय कि उपस्थिति में जिला अंतर्गत पिपराही प्रखंड एवं पुरनाहिया प्रखंड के प्रखंड कार्यालय, थाना एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरिक्षण किया गया। जिला पदाधिकारी ने सर्वप्रथम देकुली धाम मंदिर परिसर का निरिक्षण किया तथा वहाँ चल रहे विकासात्मक कार्य को देखकर सम्बंधित कार्यपालक अभियंता को कार्यों मे तेजी लाने का निदेश दिया।मंदिर के निरिक्षण के बाद जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रखंड कार्यालय, पिपराही का निरिक्षण किया गया। निरिक्षण के क्रम मे जिला पदाधिकारी ने प्रखंड कार्यालय मे गन्दगी देखकर नाराज़गी व्यक्त करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी, पिपराही को प्रखंड कार्यालय मे नियमित रूप से साफ सफाई करवाने का निदेश दिया। साथ ही उन्होंने आमजनों के लिए पेयजल कि व्यवस्था, शौचालय, बैठने कि व्यवस्था एवं वेटिंग रूम निर्धारित करने का निदेश दिया। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी, पिपराही को प्रखंड कार्यालय से लेकर मुख्य सड़क तक जर्ज़र सड़क कि मरम्मति कराने का भी निदेश दिया। साथ ही जिला पदाधिकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी, पिपराही एवं अंचलाधिकारी, पिपराही को जनता के सुविधाओं को सुनिश्चित करने का निदेश दिया तथा प्रखंड कार्यालय के सूचना पट्ट पर जिला स्तरीय वरिय पदाधिकारियों के नाम एवं दूरभाष सांख्य लिखवाने हेतु निदेशित करते हुए आमजनों को किसी प्रकार कि शिकायत करने हेतु विजिलेंस टीम/एंटी करप्शन ब्यूरो का दूरभाष संख्या अंकित करने का भी निदेश दिया। प्रखंड विकास कार्यालय, पिपराही के निरिक्षण के बाद जिला पदाधिकारी, शिवहर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पिपराही का भी निरिक्षण किया किया जहाँ उन्होंने सभी वार्डों कि जाँच कि तथा प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक, पिपराही को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मे वेटिंग रूम कि व्यवस्था करने का निदेश दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का निदेश दिया कि किसी मरीज या उनके परिजनों को ज़मीन पर बैठना ना पड़े जिसके लिए प्रयाप्त मात्रा मे कुर्सियों कि व्यवस्था कि जाए। जिला पदाधिकारी ने प्रखंड स्वास्थ्य पदाधिकारी, पिपराही को परिसर की साफ सफाई, पेयजल की व्यवस्था एवं शौचालय की साफ सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए मरीजों को सभी स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाएं उपलब्ध कराने का भी निदेश दिया। जिला पदाधिकारी, शिवहर एवं पुलिस अधीक्षक ने उक्त स्थानों के अलावा पुरनाहिया प्रखंड कार्यालय, पुरनाहिया थाना एवं पिपराही थाना का भी निरिक्षण किया एवं सम्बंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निदेश दिए।

संक्षिप्त समाचार

मानदेय के लिए हड़ताल पर गये जीविका कैडर

बीएनएम। मोतिहारी। संशोधित सामुदायिक कैडर मानदेय को लेकर जीविका कैडरों में आक्रोश है। आक्रोशित जीविका कैडरों ने बुधवार को सिंधु देवी की अध्यक्षता में पहाड़पुर प्रखंड के सिसवा बाजार माई स्थान परिसर एक बैठकर इसकी निन्दा की जीविका कैडर ने इस दौरान जमकर नारेबाजी भी किया। जीविका कैडरों का कहना था कि सरकार जीविका दीदी को बैंक का कर्जदार और भीखमंगा बना दिया है। जब तक सरकार दस सूत्री मांगें नहीं मान लेती तब तक वे लोग अनिश्चित कालीन हड़ताल पर रहेंगे। जीविका कैडर के सिंधु देवी सुनील कुमार दिलीप कुमार मुन्ना कुमार चन्दन कुमार रीता देवी नीजू कुमारी राहुल कुमार अनिल कुमार सिंह सावित्री देवी सुमित्रा देवी पूनम कुमारी आदि ने बताया कि उन लोगों की मुख्य मांगों में सभी कैडरों को जीविका की ओर से नियुक्ति पत्र एवं पहचान पत्र देने, मानेदय कंट्रीब्यूशन सिस्टम पर अविलंब रोक लगाने, सभी कैडरों का मानदेय कम से कम 25 हजार रुपये करने, काम से हटाने की धमकी पर रोक लगाने व धमकी देने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने, सभी कैडरों को क्षेत्र भ्रमण भत्ता कम से कम तीन सौ देने पांच साल पुराने सभी जीविका दीदीयों का ऋण मांफ करने, सभी कैडरों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ देने, महिला कैडरों को विशेष अवकाश व मातृत्व अवकाश देने के अलावे दो लाख का मेडिक्लेम देना मुख्य मांगों में शामिल है। बैठक मे पहुंचे गोविंदगंज विधायक सुनिल मणि तिवारी को जीविका कैडर संघ द्वारा अपनी दस सूत्री मांग को लेकर एक ज्ञापन भी दिया गया।

जिला जज ने लोक अदालत की सफलता को लेकर न्याय रथ किया रवाना

बीएनएम। मोतिहारी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश देवराज त्रिपाठी ने बुधवार को मोतिहारी व्यवहार न्यायालय परिसर से न्याय रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला जज ने कहा कि इन रथों के माध्यम से राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार प्रसार कर आमलोगों को इसको लेकर जागरूक बनाया जाएगा। उल्लेखनीय है, कि आगामी 14 सितंबर को मोतिहारी व्यवहार न्यायालय परिसर में पूर्वाहन 10 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मनीष उपाध्याय एवं अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण राकेश कुमार दुबे भी उपस्थित थे। सचिव डालसा राजेश कुमार दुबे ने बताया कि बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार पटना के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पूर्वी चम्पारण के तत्वाधान में 14.09.2024 को पूर्वाह्न 10:00 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा जिसमें सुलहनीय वादों का निष्पादन आपसी समझौते के आधार पर किया जायेगा। सुलहनीय वादों यथा आपराधिक मामले, दिवानी मामले, दुर्घटना बीमा दावा, पारिवारिक विवाद, श्रम विवाद, भू-अधिग्रहण, राजस्व, बिजली, पानी एवं अन्य विपत्र से संबंधित एनआई एक्ट 138 के अन्तर्गत दर्ज केस, बैंक ऋण, कर्मचारियें के वेतन एवं पेंशन से संबंधित विवादित मामलों का निपटारा सुलह- समझौते के आधार पर किया जायेगा। संबंधित पक्षकार इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने विवादों को राष्ट्रीय लोक अदालत में बिना खर्च बिलकुल मुफ्त में तत्काल समाप्त करा सकते हैं।

अमृत भूमि पर्यावरण संरक्षण पर आर्टिस्ट अनिकेत राज ने लिया प्रतिज्ञा

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मीडिया अध्यन डिपार्टमेंट के पांचवी सेमेस्टर के छात्र आर्टिस्ट अनिकेत राज ने 10 सितंबर को ऑनलाइन आयोजित राष्ट्रपति भवन द्वारा अमृत भूमि पर्यावरण संरक्षण आर्टिस्ट अनिकेत राज ने प्रतिज्ञा लिया। अमृत भूमि प्रतिज्ञा में श्री राज ने कहा कि मैं पर्यावरण का एक समर्पित संरक्षक बनने की प्रतिज्ञा करता हूं। मैं अमृत उद्यान में उद्यान उत्सव के अवसर पर मैं वृक्षारोपण और संरक्षण प्रयासों से सक्रिय रूप में शामिल होने की प्रतिज्ञा करता हूं। मैं वायु को शुद्ध करने जैव विविधता का समर्थन करने और जलवायु परिवर्तन से निपटने में उनके महत्व को जानते हुए पेड़ लगाऊंगा और उनकी देखभाल करूंगा। मैं अपने दैनिक जीवन में अपशिष्ट को कम करने व पुनचक्रन रीसाइक्लिंग और पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मैं हरित स्थान के संरक्षण का समर्थन करूंगा और अपने समुदाय के भीतर पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा दूंगा। बता दें कि श्री राज ने नई दिल्ली,उत्तर प्रदेश के गाजीपुर, लखनऊ,वाराणसी, चंदौली, सैयदराजा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय में ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से और अपने पूर्वी चंपारण में अपने यूनिवर्सिटी में एक पेड़ मां एवं स्थानीय गांव में जाकर लोगों को पेड़ देकर उन्होंने जागरूक किया है। आर्टिस्ट अनिकेत राज कला एवं संस्कृति पेंटिंग के क्षेत्र में विद्यालय स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त कर चुका हैं। अभी कुछ दिन पहले ही उन्होंने मोतिहारी शहर के गांधी ऑडिटोरियम में बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को पोर्ट्रेट पेंटिंग शिष्टाचार भेंट करके जिला का नाम पेंटिंग के क्षेत्र में गौरवान्वित किया है। राष्ट्रपति भवन द्वारा अमृत भूमि प्रतिज्ञा लेने के बाद नई दिल्ली में जम्मू कश्मीर के महामहिम उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के सरकारी आवास पर आशीर्वाद लिया। उपराज्यपाल श्री सिन्हा ने अनिकेत के कला एवं संस्कृति पेंटिंग के क्षेत्र में उपलब्धियां पर प्रशंसा कर कहा कि अपने माता-पिता और बिहार प्रदेश का नाम पूरे देश में रोशन करो ये मेरा आशिर्वाद हैं।

जलबोझी कर तरियानी के काँवरिया अरेराज सोमेश्वर नाथ के लिए रवाना

बीएनएम। शिवहर

तरियानी प्रखंड अंतर्गत नव युवक काँवरिया संघ, माधोपुर छाता, तरियानी, शिवहर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े धूम धाम के साथ बाबा भुवनेश्वर नाथ के गोद में विरजमान वगमती नदी के मोतनाज़े घाट से जलबोझि किया। आज यानि गुरुवार को सभी अरेराज रवाना होंगे।जिसमे सैकड़ों काँवरिया (महिला एवं पुरुषों) ने भाग लिया। जलबोझी कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी, तरियानी, अंचलाधिकारी तरियानी, हिरमा थानाध्यक्ष सुबोध कुमार मेहता, तरियानी धनाध्यक्ष विनय कुमार एवं एसडीआरएफ के जवान बागमती नदी पर काफी सक्रिय दिखे तथा स्थानिय जन प्रतिनिधि एवं समाजसेवी मौजूद रहे।नवयुवक संघ माधोपुर छाता, तरियानी, शिवहर के सदस्यों ने गहरे पानी में नही जाये इसके लिए काफी सजग दिखे।मोतनाज़े घाट पर पहुँच कांवरियों ने पहले स्नान करने के बाद बागमती मैया की पूजा अर्चना की। उसके बाद जलबोझि किया। जलबोझि के बाद देवों के देव महादेव एवं भैरव बाबा की पूजा अर्चना के बाद प्रसाद वितरण उपरांत अपने गंतव्य स्थान जो पूर्व से निर्धारित कार्यक्रम हुमादी मधानी निर्धारित किया गया है वहाँ पर गये। हुमादी मधानी के समापन के बाद सभी काँवरिया एकत्रित हुए और भजन कीर्तन में लग गये। कल सुबह 07 बजे बाबा सोमेश्वर नाथ धाम, अरेराज, मोतिहारी के लिए प्रशाशन के निगरानी में रेवासी, हिरम्मा, दुम्मा एवं हिरौता होते हुए प रा.प्रा.विद्यालय, माधोपुर छाता से प्रस्थान करेगी। नवयुवक काँवरिया संघ, माधोपुर छाता, प्रखंड तरियानी, शिवहर आप सभी को कावंर यात्रा में सम्मिलित होने के लिए सादर आमंत्रित करता है एवं सभी से सहयोग की अपेक्षा करती है।

युवक को मारपीट कर किया ज़ख्मी, 12 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज, घायल का पटना में चल रहा है इलाज

बीएनएम। तुरकौलिया

तुरकौलिया पूर्वी पंचायत के वार्ड 07 कवलपुर कांही टोला के युवक नजरें आलम को बदमाशों ने फाइटर, लोहे का रड व धारदार हथियार से मारकर जख्मी कर दिया है। घायल को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए मोतिहारी रेफर कर दिया। घटना को लेकर घायल युवक की मां असगरी बेगम ने थाना पर आवेदन देकर 12 नामजद व 10-15 अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। जहां दर्ज प्राथमिकी में घायल युवक की मां ने बताया है कि उस का पुत्र रात में मोतिहारी से घर आ रहा था। इसी दौरान कवलपुर डीह के पास कार्यक्रम चल रहा था। जहां पहले से ही कुछ लोग कार्यक्रम स्थल पर घात लगाकर बैठे थे। पुत्र को रात्रि में सड़क पर अकेले देखकर एक दर्जन बदमाशों ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। जहां चाकू, फाइटर, लोहे के रड से मारकर गंभीर रूप से घायल करते हुए गले से सोने का चैन, नगद 20 हजार रुपए व बैग में रखे जरूरी कागजात छिन लिये। घटना स्थल पर मरना अवस्था में छोड़ दिए। हल्ला सुनकर कुछ लोग आए और 112 नंबर की पुलिस को बुलाएं तब जाकर उसकी जान बची। इलाज के लिए पहले तुरकौलिया सीएचसी में ले जाया गया। जहां से मोतिहारी रेफर कर दिया गया। मोतिहारी से पटना रेफर कर दिया गया है। लेकिन स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। नाक कट गया है। सिर में गहरा चोट लगा है। जिससे स्थिति नाजुक है। दर्ज प्राथमिकी में सूरज कुमार, करण कुमार, रंजेश कुमार, रगु कुमार, अमन कुमार, शिव कुमार, दीपक कुमार सहित 12 लोगों का नाम शामिल है। साथ ही 15-20 अज्ञात लोग भी आरोपित हैं। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

स्मार्ट मीटर लगाने के लिए विद्युत कार्यपालक अभियंता ने उपभोक्ताओं को किया जागरूक

बीएनएम। रक्सौल

रक्सौल विद्युत कार्यपालक अभियंता के नेतृत्व में पदाधिकारियों एवं स्थानीय प्रतिनिधियों का शिष्टमंडल प्रखंड के जोकियारी पंचायत के चिकनी गांव पहुंच स्मार्ट मीटर से संबंधित भ्रांतियों के प्रति जागरूक किया। इसके उपरांत ग्रामीणों ने स्मार्ट मीटर की सेवा को सहज तरीके से स्वीकार करते हुए इसके अधिष्ठापन को तैयार हुए। इस दौरान अधिकारियों ने स्मार्ट मीटर की खूबियों को बारी बारी से बताते हुए कहा कि ऊर्जा संरक्षण एवं त्रुटि रहित सहज रूप में बिजली सेवा मुहैया कराने में स्मार्ट मीटर का योगदान काफी सराहनीय है। इससे उपभोक्ताओं को बिजली बचत के साथ ही रिचार्ज में तीन प्रतिशत तक की अतिरिक्त बचत भी हो रही है। इसको लेकर रक्सौल विद्युत कार्यपालक अभियंता अजय कुमार विभिन्न तरह की जानकारियां साझा की। उन्होंने उपभोक्ताओं को अफवाहों के प्रति सचेत करते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर को लेकर वायरल भ्रांतियों से आमलोगों को गुमराह होने की आवश्यकता बिल्कुल नही है। स्मार्ट मीटर से संबंधित विभिन्न तरह की जानकारियां साझा करते हुए बताया गया कि उपभोक्ताओं के परिसर में बगैर शुल्क स्मार्ट मीटर का अधिष्ठापन किया जा रहा है। इसके उपयोग से विपत्रीकरण से संबंधित त्रुटियां भी शून्य हो गई है। इसके अलावा दैनिक ऊर्जा खपत की जानकारी के साथ बकायेदारों को आसानी से किस्त में भुगतान करने की सुविधा प्राप्त हो रही है। वहीं अधिकतम डिमांड शुल्क में राहत के साथ ही प्रतिभूति शुल्क से भी उपभोक्ताओं को वंचित रखा गया है। ऐसे में बेहतर ग्राहक सेवा को प्राथमिकता देते हुए स्मार्ट मीटर अधिष्ठापान का कार्य तेजी से जारी है। इस कार्य में अब तक सभी गणमान्यों एवं आमलोगों का सहयोग बेहतर रूप में मिल रहा है। मौके पर सहायक विद्युत अभियंता सुनील रंजन, जेई मनीष कुमार जदयू के वरीय नेता भुवन पटेल, मोहम्मद एहतेशाम व डॉ सौरव कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

अर्थव्यवस्था के मौजूदा स्वरूप

मुख्य आर्थिक सलाहकार ने जिस प्रवृत्ति को लेकर आगाह किया है, उससे निकलने का रास्ता क्या है? आखिर इस मुकाम तक हम पिछले साढ़े तीन दशक में अपनाई गई नीतियों की वजह से पहुंचे हैं। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने आखिरकार अर्थव्यवस्था के मौजूदा स्वरूप को लेकर वह चेतावनी दी है, जिस पर अर्थ जगत में पहले से चिंता रही है। नागेश्वरन ने अर्थव्यवस्था के वित्तीयकरण में निहित खतरों को लेकर आगाह किया है। उन्होंने देश के "वित्तीयकरण के जाल" में फंसने की आशंका जताई है। जब शेयर बाजार का सकल पूंजी मूल्य जीडीपी के 140 प्रतिशत तक पहुंच गया हो, तो समझा जा सकता है कि अर्थव्यवस्था किस मुकाम पर है। नागेश्वरन ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र में हो रहे रिकॉर्ड मुनाफे से एक ऐसी परिघटना सामने आई है, जिस पर कड़ी नजर रखनी होगी। उनकी ये बातें खास गौरतलब हैः 'जब बाजार का आकार अर्थव्यवस्था से बड़ा हो जाता है, तब यह स्वाभाविक है कि बाजार के हित और उसकी प्राथमिकताएं सार्वजनिक विमर्श पर हावी हो जाती हैं, हालांकि ऐसा होना तार्किक रूप से जरूरी नहीं है। यहां हमारे उस परिघटना का जिक्र कर रहा हूं, जिसे वित्तीयकरण अथवा नीति एवं सकल अर्थव्यवस्था के लाभों पर वित्तीय बाजार के वर्चस्व के रूप में जाना जाता है।ऐसा होने पर क्या होता है, इसकी चर्चा भी मुख्य आर्थिक सलाहकार ने की है। उनके मुताबिक सार्वजनिक एवं निजी ऋण का अभूतपूर्व ऊंचा स्तर- जिसमें से कुछ ऋण विनियामकों को मालूम है और कुछ नहीं, परिसंपत्तियों की मूल्य वृद्धि पर आर्थिक वृद्धि का निर्भर हो जाना और उसके परिणामस्वरूप गैर-बराबरी में भारी बढ़ोतरी, ये वित्तीय वर्चस्व वाली अर्थव्यवस्था के परिणाम हैं। उन्होंने आगाह किया कि भारत को ऐसे परिणामों से बचने का प्रयास करना चाहिए। नागेश्वरन की ये बातें सोलह आने सच हैं। अर्थव्यवस्था के यह रूप लेने के दुष्परिणाम आज कभी औद्योगिक शक्ति से दुनिया पर अपना दबदबा बनाने वाले विकसित देश भी झेल रहे हैं। मगर सवाल है कि मुख्य आर्थिक सलाहकार ने जिस प्रवृत्ति को लेकर आगाह किया है, उससे निकलने का रास्ता क्या है? आखिर इस मुकाम तक हम पिछले साढ़े तीन दशक में अपनाई गई नीतियों की वजह से पहुंचे हैं। क्या नागश्वेरन जिस सरकार से जुड़े हैं, उसमें ये दिशा बदलने का बौद्धिक साहस और माद्दा मौजूद है?

विकसित भारत के लिए भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बदलाव

हमारे देश की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र एक प्रकाश-पुंज की तरह है, जो विकसित भारत की दिशा में हमारे द्वारा उठाए जा रहे कदमों के रूप में प्रतिबिम्बित होता है। अब यह क्षेत्र केवल अर्थव्यवस्था में योगदानकर्ता भर नहीं रह गया है, बल्कि तेजी से भारत की विकास गाथा का आधार बनता जा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में नीतियों, पहलों और बुनियादी ढांचे के विकास के बेहतरीन मिश्रण ने इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है, जिससे यह वैश्विक मंच पर एक मजबूत ताकत बनकर उभरा है। वर्तमान में भारत 3.7 ट्रिलियन डॉलर वाली समृद्ध अर्थव्यवस्था होने का दावा करता है, जिसका महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2047 में देश की स्वतंत्रता की शताब्दी तक 30-35 ट्रिलियन डॉलर वाली अर्थव्यवस्था बनना है। भारत में हो रहे बदलावों के मूल में इसकी समृद्ध कृषि-जलवायु विविधता है, जो हमारे किसानों को विभिन्न प्रकार की विशिष्ट फसलें उगाने में सक्षम बनाती है। दालें, मोटे अनाज, दूध, गेहूं, चावल तथा फलों और सब्जियों के उत्पादन में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश होने के रूप में, भारत के पास मूल्य वर्धन के लिए संसाधनों का अद्वितीय आधार मौजूद है। हमारे मेहनतकश किसानों द्वारा सावधानीपूर्वक पोषित इस कृषि प्रचुरता ने नवाचार और उद्यमिता के दौर को जन्म दिया है, जिससे उन्नतिशील खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का उदय हुआ है। यह क्षेत्र भारत के आर्थिक विकास का आधार बन चुका है, जो रोजगार के अवसरों के सृजन, तकनीकी प्रगति और बाजार के नए अवसरों के निर्माण के माध्यम से विकास को गति दे रहा है। भारत शीर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में सबसे बड़ी और सबसे युवा कामकाजी आबादी होने का भी दावा करता है, जिससे इस महत्वपूर्ण परिवर्तन को और बढ़ावा मिलता है। उन्नत प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके, इस उद्योग ने फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने, उत्पाद की शेल्फ लाइफ बढ़ाने और किसानों को उनके प्रयासों के लिए बेहतर रिटर्न दिलाना सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र जैसे-जैसे विकसित हो रहा है, यह न केवल गुणवत्ता के अंतर्राष्ट्रीय मानकों की कसौटी पर खरा उतर रहा है, बल्कि वैश्विक उपभोक्ताओं की लगातार बदलती पसंद और प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए अपनी पेशकशों में विविधता भी ला रहा है। इस प्रकार कृषि और खाद्य प्रसंस्करण के बीच का घनिष्ठ सामंजस्य आर्थिक प्रगति के शक्तिशाली साधन का रूप ले चुका है। यह इस बात को रेखांकित करता है ।

पेरिस पैरालंपिक के संदेश को समझना जरूरी

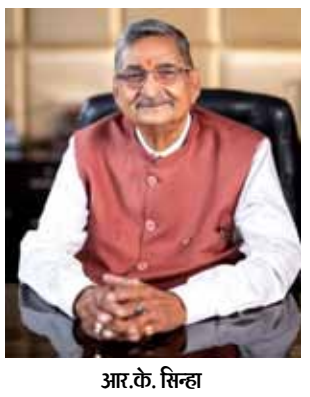

आर.के. सिन्हा

पेरिस में ओलंपिक खेलों में लचर प्रदर्शन के बाद पैरालंपिक में भारतीय एथलीटों के प्रदर्शन से सारा देश खुश है। हमारे एथलीटों ने अपने उल्लेखनीय और शानदार अविश्वसनीय प्रदर्शन से देश का मान बढ़ाया है। इन दिव्यांग खिलाड़ियों ने शारीरिक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद अपने उल्लेखनीय खेल से हरेक भारतीय प्रेरित किया है। भारत ने पैरालंपिक में 29 पदकों (सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य) जीते, जो कि अबतक का एक रिकॉर्ड है। इसमें कोई शक नहीं है कि पदक तालिका में भारत का 18वां स्थान, सरकार द्वारा दिव्यांग खिलाड़ियों को दिए जाने वाले प्रोत्साहन और सुविधाओं में बढ़ोत्तरी का ही प्रमाण है। इस पैरालंपिक में भारतीय कोचों और सहायक कोच भी पेरिस में खिलाड़ियों को हर तरह के सहयोग के लिए पर्याप्त संख्या में मौजूद थे। पहली बार भारतीय एथलीटों के लिए खेल गांव में एक स्पेशल रिकवरी सेंटर बनाया गया था। इससे खिलाड़ियों को चोटों से उबरने और अपनी फिटनेस को तेजी से सुधारने में मदद मिली, जिससे वे अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रख सके।भारत ने पेरिस पैरालंपिक में 77 कोच और सहयोगी स्टाफ भेजे, जो टोक्यो पैरालंपिक में भेजे गए 45 कोच और सहयोगी स्टाफ से कहीं ज्यादा थे। इससे खिलाड़ियों को बेहतर मार्गदर्शन और देखभाल मिली, जिसका सीधा असर उनके प्रदर्शन पर पड़ा। पैरालंपिक में देश की भागीदारी ने केवल 16 वर्षों में एक उल्लेखनीय छलांग लगाई है। 2008 में बीजिंग पैरालंपिक में पाँच एथलीटों के मुकाबले अब भारतीय दल 84 हो गया है। बीते रविवार को खेलों की समाप्ति से पहले भारत के पैरालंपियनों ने एक भारतीय रेस्तरां में सुस्वादु भोजन का आनंद भी लिया। हमारे खिलाड़ी जश्न के मूड में थे। ये जश्न मनाने के हकदार भी थे। यदि 2021 के टोक्यो पैरालंपिक में ही भारत ने संकेत दे दिए थे कि अब भारत पैरा स्पोर्ट्स के शिखर पर जाने को बेताब है। तो 2024 के पेरिस पैरालंपिक उस ख्वाब को भी हमारे दिव्यांग खिलाडियों ने काफी तक सच भी साबित कर दिया। एक दौर था जब भारत इन खेलों में दो-चार पदक ही ले पाता था। पर अब वह दिन चले गए। भारत अब दो अंकों में पदक हासिल कर रहा है और आसानी से अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ रहा है। बेशक, पिछले टोक्यो खेलों में भारत के 19 पदक के प्रदर्शन ने देश में पैरालंपिक खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में एक लंबी छलांग लगाई थी। इस अर्थ में, पेरिस में यह देखना था कि क्या भारत इन खेलों में तेजी से आगे बढ़ रहा है अथवा नहीं। पैरालंपिक में हमारे श्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ ही देश और समाज को दिव्यांगों के प्रति अधिक उदार और मानवीय रवैया अपनाना होगा। अभी भी दिव्यांगों के हक में बहुत कुछ किया जाना शेष है। क्या हमारे देश में दिव्यांगों विकलांगों के मन-माफिक घरों या कमर्शियल इमारतों का निर्माण हो रहा है? कतई नहीं। अब लक्जरी होम, सी-फेसिंग फ्लैट, एलिट होम वगैरह के दौर में कितने बिल्डर और आर्किटेक्ट सोचते भी हैं दिव्यांगों के मन-माफिक घर बनाने के संबंध में। वास्तव में, बहुत ही कम। अफसोस है कि हमारे यहां दिव्यांगो के लिए हाई-राइस बिल्डिंगों और दूसरे घरों में पर्याप्त जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाने को लेकर सही ढंग नहीं सोचा जा रहा। दिव्यांगों को लेकर रीयल एस्टेट कंपनियों और आर्किटेक्ट बिरादरी को ज्यादा संवेदनशील रुख अपनाना ही होगा। रीयल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े सभी स्टेकहोल्डर्स को विकलांगों और बुजुर्गों के लिए सुगम या कहें कि यूजर फ्रेंडली घर बनाने चाहिए। हालांकि भारत में रीयलएस्टेट सेक्टर ने बीते चंदेक दशकों के दौरान लंबी छलांग लगाई है,पर उन रीयल एस्टेट कंपनियों को उंगुलियों पर गिना जा सकता है जो दिव्यांगो तथा बुजुर्गों

की सुविधा का ध्यान रखकर निर्माण कर रही हैं। अब उदाहरण के लिए आपको इस तरह की आवासीय और कमर्शियल इमारतें कम ही मिलेंगी जिनमें विकलांगों की व्हीलचेयर को लिफ्ट के अंदर लेकर जाया जा सकता है। लिफ्ट में इतना कम स्पेस रहता है कि व्हीलचेयर को उसके अंदर लेकर जाना मुमकिन नहीं होता। बाथरूम और किचन में कैबिनेट इतनी ऊंचाई में होते हैं कि दिव्यांग शख्स के लिए उनका इस्तेमाल करना बेहद कठिन होता है। इस तरह के मसलों को देखने की जरूरत है। अमेरिका में उन्हीं रियलटर्स को दिव्यांगों को घर मुहैया करवाने की इजाज़त दी जाती है, जो इसके लिए योग्य और प्रशिक्षित हैं लेकिन, भारत में ऐसा कोई कानून नहीं है। भारत में मानसिक और शारीरिक तौर पर विकलांग लोगों को रोजाना किसी न किसी तरह के भेदभाव का सामना करना ही पड़ता है। 2011 के आंकड़ों के मुताबिक भारत में करीब दो करोड़ 60 लाख विकलांग हैं। हालांकि गैर-सरकारी संगठनों के मुताबिक इनकी संख्या और बढ़ी है और यह छह और सात करोड़ के बीच हैं। संबंधित सरकारी महकमों को सुनिश्चित करना चाहिए ताकि बिल्डर और आर्किटेक्ट दिव्यागों के मन-माफिक ही इमारतें खड़ी करें। दिव्यांगों को देश के बाकी नागरिकों की तरह देखा जाना चाहिए। उन्हें अहसानों की जरूरत तो नहीं पर सामाजिक सम्मान के वे अवश्य ही हकदार हैं। पेरिस पैरालंपिक के विजेताओं को भी उसी तरह से पुरस्कृत किया जाये, जैसे ओलंपिक खेलों के विजेता हुए हैं। देश में 16 किस्म की मान्य विकलांगता वें हैं। विकलांगों के आवास के लिए विशेष योजना बनाने की जरूरत है। व्हीलचेयर पर चलने वाली आबादी का मानना है कि कहीं भी प्रवेश की अगमता सुविधा होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक विकलांग व्यक्ति को अपने घर से बाहर लाने, कॉलेज या दफ्तर जाने के लिए, बस पकड़ने, शॉपिंग कांप्लेक्स जाने या अन्य सार्वजनिक इमारतों में प्रवेश की वैसी ही सुविधा होनी चाहिए, जैसी सामान्य लोगों के लिए होती है। देश में स्थिति यह है कि अधिकतर स्थानों पर विकलांग व्यक्ति आसानी से जा ही नहीं सकते हैं। अगर पश्चिम की देशों की बात करें तो वहां पर सार्वजनिक भवनों के गेट बहुत भारी-भरकम नहीं होते, जिससे कि व्हीलचेयर पर बैठा व्यक्ति भी बिना किसी अन्य सहायता के स्वयं ही सुगमता से आ-जा सकता है। सभी प्रसाधन स्थान भी इन सुविधाओं को ध्यान में रख बनाए गए हैं। लिफ्ट में खासतौर पर ऑपरेशनल स्विचों को नीचे की तरफ लगाया जाता है, जिससे विकलांग व्यक्ति को परेशानी का सामना न करना पड़े। पेरिस पैरालंपिक देश के लिए एक संदेश भी है कि हमें दिव्यांगों को उनके हकों को देना ही होगा।

हैरिस बनाम ट्रंप दोनों दलों का मकसद समान

सत्येन्द्र रंजन

मतदान में लगभग दो महीने बाकी हैं, ओपिनियन पोल्स के आधार पर चुनाव के बारे में लगाए जा रहे अनुमानों का आधार बहुत मजबूत नहीं है। खासकर यह देखते हुए कि 2022 के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थकों के बीच एक बड़ी फूट पड़ी है। कई समूह अभी निर्णय करते नहीं है। अपने अलग गुट बनाए हैं। इस तरह उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी से समर्थन वापस लेने का एलान कर रखा है। पांच नवंबर को आने वाला चुनाव परिणाम काफी कुछ इससे तय होगा कि ये समूह अपनी वर्तमान भावना से प्रेरित बने रहते हैं या फिर ट्रंप को बड़ा खतरा मान कर अनिच्छा से डेमोक्रेटिक पार्टी को वोट डालने की विवशता दिखाते हैं। यह घटनाक्रम विचित्र है। जब से अमेरिका में 2024 का चुनाव-चक्र शुरू हुआ, जनमत सर्वेक्षणों में डॉनल्ड ट्रंप की बड़ी बढ़त बनी हुई थी। सीएनएन टीवी चैनल पर राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ उनकी बहस के बाद तो यह अंतर इतना बढ़ गया कि डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए उसे पाट पाना लगभग नामुमकिन दिखने लगा। इसे देखते हुए डेमोक्रेटिक पार्टी बीच राह में उम्मीदवार बदलने को मजबूर हुई। पार्टी ऐस्टैबलिशमेंट ने बाइडेन को मैदान से हटने के लिए विवश किया और उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस को उम्मीदवार बनाया। उसके बाद जनमत सर्वेक्षणों और मीडिया कवरेज में चमत्कारिक बदलाव आया। अब चुनाव पूर्व अधिकांश सर्वेक्षणों में न सिर्फ हैरिस की बढ़त बनी हुई है, बल्कि यह बढ़ती ही जा रही है। आखिर हैरिस की शख्सियत में इतना करिश्माई क्या है? उनके समर्थक प्रमुख रूप से इसके दो कारण बताते हैः हैरिस महिला हैं। जिस चुनाव गर्भपात अधिकार को डेमोक्रेट्स ने एक प्रमुख मुद्दा बनाया है, उसके बीच उनका 'प्रगतिशील महिला होना चुनावी लिहाज से फायदेमंद हुआ है। हैरिस की पारिवारिक पृष्ठिभूमि मिश्रित है। वे भारतीय मूल की हिंदू हैं, जिनके पिता कैरिबियन मूल के मार्क्सवादी थे और जिन्होंने एक ईसाई से शादी की। इस तरह डेमोक्रेटिक पार्टी जिस सांस्कृतिक बहुलता की नुमाइंदगी का दावा करती है, उसका वे एक परफेक्ट चेहरा हैं। मगर हैरिस के साथ कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। सबसे पहला पहलू तो यही है कि डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार चुनने की प्रक्रिया- प्राइमरी- में उन्हें एक भी वोट हासिल नहीं हुआ। यानी उन्हें प्रत्याशी पार्टी के व्यापक ढांचे ने नहीं, बल्कि पार्टी नौकरशाहों और लॉबिस्ट्स ने चुना है। 2020 के चुनाव के दौरान हैरिस ने अवश्य प्राइमरी में हिस्सा लिया था। लेकिन तब उनके समर्थन का स्तर इतना कम था कि जिन उम्मीदवारों ने सबसे पहले अपना दावा वापस लिया, उनमें एक हैरिस भी थीं। बाद में जो बाइडेन ने उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि से संभावित सियासी लाभ की गणना करते हुए उन्हें अपना चुनावी साथी बनाया। हैरिस के भाषण का अंदाज विकर्षक माना जाता है। उनका अपना कोई विशेष प्लेटफॉर्म (नीति एवं कार्यक्रम) नहीं है। इस रूप में वे ओबामा-बाइडेन प्रशासनों की एक कार्बन कॉपी हैं। बाइडेन की डिप्टी होने के कारण वर्तमान प्रशासन की नाकामियों का बोझ भी उन पर है। उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि श्वेत और कंजरवेटिव बहुमत वाले राज्यों में डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए लाभ के बजाय नुकसान का सौदा साबित हो सकती है। यानी पॉजिटिव्स (सकारात्मक पहलू) और निगेटव्स (नकारात्मक पहलू) समान रूप से मौजूद हैं। तो फिर अचानक यह मूड परिवर्तन का जादू कैसे हुआ? क्या सचमुच रॉबर्ट एफ। केनेडी (मशहूर केनेडी परिवार से संबंधित डेमोक्रेट नेता, जिन्होंने अब डॉनल्ड ट्रंप को समर्थन देने का एलान किया है) के इस दावे में दम है कि मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित करने के मकसद से ओपिनियन पोल करने वाली एजेंसियों और मेनस्ट्रीम मीडिया के जरिए डेमोक्रेटिक ऐस्टैबलिशमेंट हैरिस का कृत्रिम आभामंडल निर्मित किया है? फिलहाल, इस बारे में कोई ठोस टिप्पणी करना संभव नहीं है। मगर आगे बढऩे से पहले हाल के चुनावों के कुछ अनुभवों पर ध्यान दे लेना उचित होगाः 2016, 2020 और 2022 में ओपिनियन पोल पूरी तरह या आंशिक रूप से गलत साबित हुए।? 2016 में एक भी सर्वे में ट्रंप की जीत का अनुमान नहीं लगाया गया था। जिस रोज मतगणना हो रही थी, न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपने इलेक्शन मीटर में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार हिलेरी क्लिंटन की जीत की संभावना 93 प्रतिशत बता रखी थी। मगर मतगणना आगे बढ़ते ही कहानी बदल गई।? बाद में सर्वे एजेंसियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने क्लिंटन के समर्थन आधार का गलत आकलन किया। इसी तरह उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डॉनल्ड ट्रंप के समर्थन आधार को कम करके आंका।? अमेरिका में राष्ट्रीय स्तर पर किसे कितने वोट मिले, उससे चुनाव नतीजे तय नहीं होते हैं। 2016 में क्लिंटन को ट्रंप से 27 लाख ज्यादा वोट मिले थे। मगर मुख्य मुकाबला वाले राज्यों (बैटलग्राउंड स्टेट्स) में ट्रंप जीते, जिससे इलेक्ट्रॉल कॉलेज में उन्हें बहुमत प्राप्त हो गया।? 2020 में फिर सर्वे एजेंसियों ने ट्रंप के समर्थन आधार को कम और बाइडेन के समर्थन आधार को बढ़ा कर आंका। मतदान से पहले सबसे आखिरी सर्वेक्षणों में बाइडेन के 7 से 10 फीसदी वोटों के अंतर से जीतने की भविष्यवाणी की गई। मगर बाइडेन सिर्फ 4.5 प्रतिशत मतों के अंतर से जीत सके। 2022 के संसदीय चुनाव में कहानी उलटी रही। तब सर्वे रिपोर्टों में डेमोक्रेटिक पार्टी की बुरी हार होने का अनुमान लगाया गया। लेकिन असल नतीजा यह रहा कि सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी ने अपना बहुमत बरकरार रखने में सफल रही, हालांकि हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव उसके हाथ से निकल गया।? इस अनुभव का संदेश यह है कि मौजूदा चुनाव में सारी संभावनाएं अभी खुली हुई हैं। पांच नवंबर को होने वाले मतदान का नतीजा मोटे तैर पर सात बैटलग्राउंड स्टेट्स के रुझान से तय होगा। चुनाव कवरेज पर केंद्रित वेबसाइट रिपोर्ट के मुताबिक इन राज्यों- अरिजोना, नेवाडा, विस्कोंसिन, मिशिगन, पेनसिल्वेनिया, नॉर्थ कैरोलीना और जॉर्जिया में फिलहाल ओपिनियन पोल्स के मुताबिक चार में हैरिस और तीन में ट्रंप आगे हैं। मगर सवाल वही चुनाव-पूर्व जनमत सर्वेक्षणों के सटीक होने का है। वैसे तो ऐसे सर्वेक्षणों के अनुमान पहले भी कभी-कभार गलत साबित हो जाते थे, लेकिन पिछले लगभग डेढ़ दशक में ऐसा होने के मामले तेजी से बढ़ते चले गए हैं। और यह सिर्फ अमेरिका की बात नहीं है। अभी तीन महीने पहले हमने अपने देश में इन सर्वेक्षणों की धज्जियां उड़ते देखीं। ऐसा क्यों हो रहा है, इस बारे में सर्वे के कारोबार से जुड़े लोगों ने कोई ठोस स्पष्टीकरण नहीं दिया है। फिर भी हम कुछ अनुमान लगा सकते हैं। 1990 के दशक में अपनाई गई आर्थिक नीतियों को सार्वजनिक बहस से दूर रखने के मकसद से विभिन्न देशों में सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों पर ध्रुवीकरण को सुविचारित रूप से बढ़ावा दिया गया। विकसित देशों में 2007-08 की मंदी के बाद ऐसे ध्रुवीकरण के लिए वस्तुगत परिस्थितियां गहरी होती चली गईं। ऐसे में किसी भी चुनावी लोकतंत्र वाले देश में सियासी समीकरण पहले जैसे (20वीं सदी के उत्तरार्द्ध की तरह) नहीं रह गए हैं। संभवतः सर्वे एजेंसियां अभी तक नए समीकरणों और मतदाताओं के नए मूड को भांपने के तरीके नहीं ढूंढ पाई हैं।

मेष राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज परिवार के साथ समय बितायेंगे। इससे घर में खुशियों का माहौल बनेगा। आज आपकी कड़ी मेहनत से आसपास के लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आज रोज की अपेक्षा व्यापार में अच्छा मुनाफा होगा। आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत रहेगा। स्वास्थ्य फिट रखने के लिए ताजे फल खायें, फायदा मिलेगा।

वृष राशिः आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। अगर आप नयी जमीन लेने का प्लान बना रहे हैं तो घर के बड़ों की राय जरूर लें। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन संतोषजनक रहेगा कुछ नया सीखने को मिलेगा। आप जीवनसाथी से अपने दिल की बात शेयर करेंगे। इससे रिश्ते में मधुरता बनेगी। शाम को परिवार के साथ किसी जरूरी मामले पर बात होगी जहां आप खुलकर अपनी राय रखेंगे, आपकी राय को अहमियत मिलेगी।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपको किसी बुजुर्ग की सेवा का अवसर मिलेगा, इसे आप सौभाग्य के रूप में समझे। आज आप हर तरह के काम निपटाने के लिए तैयार रहेंगे। आपको सोचे हुए कामों से फायदा हो सकता है। कोशिश करेंगे तो आपको सफलता मिल सकती है। अपनी स्थिति और योग्यता के हिसाब से ही काम करेंगे। लवमेट का आज रिश्ता तय हो सकता है, जिससे घर में खुशियों का माहौल बना रहेगा। इस राशि के जो लोग सोशल साइट्स पर काम करते हैं।

कर्क राशिः आज आपका दिन आपके लिए नई खुशियां लाया है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ हो सकती है। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। आज आपको रोजगार में नई उपलब्धि मिलने के योग हैं। घरेलू जरूरत की चीजों की खरीददारी करेंगे आपका लेन-देन भी तेज हो सकता है।

सिंह राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है जिन्हे आप बखूबी निभायेंगे। आप जिस काम को करने का प्रयास करेंगे, उस काम में आपको कामयाबी मिलेगी। आज आपको मेहनत का फल मिलेगा इससे आपका हौसला बढ़ेगा। आज किसी काम को पूरा करने के लिए आस-पास के कई लोग आपको सलाह देगें ,इससे गलती से भी आप सुरक्षित रहेगें।जीवनसाथी पर भरोसा बनायें रखने से रिश्ते मजबूत होंगे।

कन्या राशिः का दिन सामान्य रहेगा। आज आपके सामने चुनौतियां भी आएंगी आप इनका डटकर मुकाबला करेंगे सफलता हासिल होगी। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन थोड़ा सामान्य रहेगा। करियर संबंधी चुनाव आपको थोड़ी परेशानी में डाल सकता है लेकिन सही पॉइन्ट का चुनाव करना बेहतर रहेगा। माता पिता से आशीर्वाद लेने से आपकी सभी परेशानियों से राहत मिल जाएगी। आपकी सेहत अच्छी रहेगी।

तुला राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि की महिलाएं जो कोई बिजनेस करने की सोच रही है उनके लिए आज का दिन अच्छा है। किसी भी काम को करने में जल्दबाजी न करें ,अन्यथा वह काम दोबारा करना पड़ सकता है। अपने बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय ईश्वर की आराधना के लिए निकालने से आपका मन शांत रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन सामान्य रहेगा। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। करियर में उतार-चढ़ाव से आप परेशान हो सकते हैं लेकिन किसी अनुभवी सीनियर्स की मदद से आपको थोड़ी राहत मिलेगी। आज घर में बच्चों के साथ आपका अच्छा टाइम बितेगा। माता पिता बच्चों को कोई अच्छी सलाह भी दे सकते है।

धनु राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों को आज पदोन्नती के अवसर मिलेंगे। ऑफिस में अच्छे परफोर्मेंस के लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आयेंगे। साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद के लिए खुशी मिलेगी।

मकर राशिः आज का दिन आज ठीक - ठाक रहेगा। इस राशि की महिलाओं के लिए आज का दिन बहुत ही खास है। आप दिन का अधिक समय शॉपिंग में बिता सकती हैं। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी कम्पनी से मेल आ सकती है। दांपत्य जीवन में आज मधुरता बनी रहेगी। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है।

कुंभ राशिः आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। लोगों के विचार और आपके बारे में बोली गई बातों के कारण आप मन ही मन परेशान हो सकते हैं। इस राशि के स्टूडेंट आज अपनी पढ़ाई को लेकर उत्साहित होंगे और ज्यादा समय पढ़ाई में बीतेगा, यह देखकर आपके घरवालों को भी खुशी होगी।

मीन राशिः आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। आज कोई बुजुर्ग या वरिष्ठ व्यक्ति आपको सही सलाह दे सकता है। आज आपको पुरानी बातें भी याद आ सकती हैं। आज व्यापारिक मामलों में आपकी व्यस्तता बढ़ेगी। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से सामान्य होगी।

शब्द सामर्थ्य -175

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

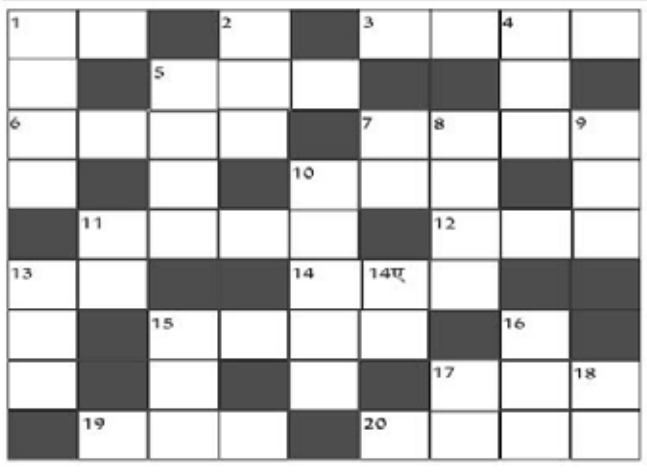

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 174 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त		स्व			ली			ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		दां		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

सूडोकु नवताल- 7186

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7185 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत ख़बरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

गाउटी अर्थराइटिस में शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ जाती है, जिसकी वजह से जोड़ों में सूजन आ जाती है।

गाउटी अर्थराइटिस
यूरिक एसिड को रखें नियंत्रित

लक्षण - रोगी के एक या कई जोड़ों में दर्द के साथ अकड़न या सूजन आ जाती है। जोड़ों में गांठें बन जाती हैं और कांटा चुभने जैसी पीड़ा होती है। चलने-फिरने और दौड़ने में भी परेशानी होने लगती है। अक्सर अंगूठे बुरी तरह से सूज जाते हैं। कई बार तो उंगलियों के जोड़ों में यूरिक एसिड के क्रिस्टल जमा हो जाते है, जिससे उंगलियों के जोड़ों में बहुत दर्द होता है। इस रोग को पहचानने का सबसे बड़ा लक्षण यह है कि रात में जोड़ों का दर्द बढ़ने लगता है।

इन बातों पर दें ध्यान

गाउटी अर्थराइटिस से ग्रस्त रोगियों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए और इन्हें खान-पान में तरल पदार्थो को महत्व देना चाहिए। शराब और सॉफ्ट ड्रिंक्स लेने से समस्या और भी बढ़ सकती है। है। उन खाद्य पदाथरें को खाने से बचना चाहिए, जिनमें प्यूरिन (एमीनो एसिड) पाया जाता हो। ऐसा इसलिए, क्योंकि प्यूरिन की अत्यधिक मात्रा शरीर में ज्यादा मात्रा में यूरिक एसिड पैदा करती है। रेड मीट और कुछ खास किस्म की मछलियों में काफी मात्रा में प्यूरिन पाया जाता है। इनसे परहेज करें।

क्या खाएं

जड़ों वाले फल और सब्जियां जैसे अदरक, गाजर, आलू, शकरकंद या दूसरे फल खाएं। अगर आप मीट खाने के शौकीन हैं तो रेड मीट की जगह चिकन खाएं, क्योंकि इसमें प्यूरिन कम मात्रा में पाया जाता है।

रोकथाम व इलाज

गाऊटी अर्थराइटिस से ग्रस्त लोगों को प्रोटीनयुक्त आहार कम से कम ग्रहण करना चाहिए। रेडमीट से परहेज करें। पनीर और दाल कम से कम लें। इस रोग को दूर करने में जाइल्यूरिक मेडिसिन्स दी जाती हैं। याद रखें, गाउटी अर्थराइटिस में जोड़ों से संबंधित सर्जरी नहीं की जाती।

क्रॉनिक ब्रॉन्काइटिस
का समुचित इलाज

क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सी.ओ.पी.डी.) फेफड़े की एक प्रमुख बीमारी है, जिसे आम भाषा में क्रॉनिक ब्रॉन्काइटिस भी कहते हैं। देश में संप्रति लगभग 1.7 करोड़ लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं।

यह बीमारी प्रमुख रूप से धूम्रपान बीड़ी, सिगरेट, हुक्का और चिलम का प्रयोग करने वालों को होती है। इसके अतिरिक्त ऐसे लोग जो धूल, धुआं, गर्द व प्रदूषित वातावरण के प्रभाव क्षेत्र में रहते हैं, उन्हें भी इस बीमारी के होने का खतरा होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में जो महिलाएं चूल्हे या अंगीठी पर खाना बनाती हैं, उन्हें भी यह रोग हो जाता है। प्राय- यह बीमारी 30 से 40 वर्ष की आयु के बाद शुरू होती है। इस साल सी.ओ.पी.डी डे की थीम इट्स नॉट टू लेट है, जिसका आशय है कि इस रोग से ग्रस्त लोगों के इलाज के लिए अभी देरी नहींहुई है। जिन लोगों ने धूम्रपान अभी तक नहीं छोड़ा है, वे इस लत को छोड़ दें। उन्हें इस बुरी आदत को छोड़ने का अवश्य लाभ मिलेगा।

लक्षण

- सुबह के वक्त खांसी आना। धीरे-धीरे यह खांसी बढ़ने लगती है और इसके साथ बलगम भी निकलने लगता है।
- सर्दी के मौसम में खासतौर पर यह तकलीफ बढ़ जाती है। बीमारी की तीव्रता बढ़ने के साथ ही रोगी की सांस फूलने लगती है और धीरे-धीरे रोगी सामान्य कार्य जैसे- नहाना, धोना, चलना-फिरना, बाथरूम जाना आदि में भी अपने को असमर्थ पाता है।
- पीड़ित व्यक्ति का सीना आगे की तरफ निकल आता है। रोगी फेफड़े के अंदर रुकी हुई सांस को बाहर निकालने के लिए होंठों को गोल कर मेहनत के साथ सांस बाहर निकालता है, जिसे पर्स लिप ब्रीदिंग कहते हैं।
- गले की मांसपेशियां उभर आती हैं और शरीर का वजन घट जाता है।
- पीड़ित व्यक्ति को लेटने में परेशानी होती है। इस बीमारी के साथ हृदय रोग होने का भी खतरा बढ़ जाता है।

धूम्रपान से फेफड़ों को नुकसान

धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों के फेफड़ों में सूजन आने लगती है। बलगम जमा हो जाता है और फेफड़े की सामान्य संरचना भी नष्ट होने लगती है। फेफड़े का कार्य शरीर को ऑक्सीजन प्रदान करना और कार्बन डाईआक्साइड को बाहर निकालना है। धूम्रपान से फेफड़े का कार्य बाधित होता है, जिसके फलस्वरूप रोगी में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है और उसकी सांस फूलती है।

परीक्षण

सामान्यत प्रारंभिक अवस्था में एक्सरे में फेफड़े में कोई खराबी नजर नहीं आती, लेकिन बाद में फेफड़े का आकार बढ़ जाता है। इसके परिणामस्वरूप दबाव पड़ने से दिल लम्बा और पतलें ट्यूब की तरह (ट्यूबलर हार्ट) हो जाता है। इस रोग की सर्वश्रेष्ठ जांच स्पाइरोमेटरी (कम्प्यूटर के जरिये फेफड़े की कार्यक्षमता की जांच) या पी.एफ.टी. ही है।

बचाव

सी.ओ.पी.डी. का सर्वश्रेष्ठ बचाव धूम्रपान रोकना है। अगर रोगी धूल, धुआं या गर्दा के वातावरण में रहता है या कार्य करता है उसे शीघ्र ही अपना वातावरण बदल देना चाहिए। इसके अतिरिक्त सी.ओ.पी.डी. के रोगियों को प्रतिवर्ष इन्फ्लूएंजा से बचाव के लिए वैक्सीन लगवाना चाहिए। इसी तरह सी.ओ.पी.डी. के रोगियों को न्यूमोनिया से बचाव के लिए एक बार न्यूमोकोकल वैक्सीन भी लगवानी चाहिए।

उपचार

सी.ओ.पी.डी. का सर्वश्रेष्ठ उपचार इन्हेलर चिकित्सा है, जिसे डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही लेना चाहिए। इसके अतिरिक्त कुछ दवाएं और बलगम आने पर एंटीबॉयटिक भी दी जाती हैं। सी.ओ.पी.डी. के अटैक के दौरान रोगी को भर्ती करना पड़ता है और उसका उपचार ऑक्सीजन, नेबुलाइजर, स्टेरॉइड्स, ब्रॉन्कोडायलेटर और बाईपैप मशीन द्वारा किया जाता है। सी.ओ.पी.डी. से पीड़ित गंभीर अवस्था वाले रोगियों को लॉग टर्म ऑक्सीजन थेरेपी पर रखा जाता है।

मिर्ची बनाए छरहरा

दिन-रात अपनी काया को कंचन व छरहरा बनाने के लिए पूरा स्त्री वर्ग परेशान है। कैसे भी कोई सा भी तरीका मिल जाए तो उसे अपना कर आकर्षक हो जाएं। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने मिर्ची में मौजूद कैप्सेसिन नामक तत्व के बारे में पता लगाया जो शरीर के मैटाबॉलिज्म को तेज करता है। इससे शरीर की कैलरीज ज्यादा खर्च होने लगती है व शरीर का वजन अधिक नहीं बढ़ने पाता। यही गुण काली मिर्च व अदरक में भी होते है। शोध में यह भी पता चला कि मिर्च-मसाले युक्त गरम सूप न पीने वालों की तुलना में सूप पीने वालों की कैलरी 200 तक बर्न हुई। लेकिन ध्यान रहे, एसिडिटी होने पर मिर्च-मसालों से दूर रहने में ही भलाई है।

दिल को दुरुस्त रखेगा केला

अगर आप अपने दिल को बीमारियों से बचाना चाहते हैं तो केले का नियमित रूप से सेवन करें। इंपीरियल कॉलेज ऑफ लंदन और वॉरविक मेडिकल स्कूल के शोधकर्ताओं ने 33 अध्ययनों का विश्लेषण करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला। उन्होंने बताया कि केले में पोटैशियम बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है। हाई ब्लडप्रेशर और हार्ट अटैक के खतरे को कम करने में इस तत्व की अहम भूमिका होती है। इसके अलावा दही, दाल, पालक, मशरूम और खुबानी में भी पर्याप्त मात्रा में पोटैशियम पाया जाता है। इसलिए इन चीजों का सेवन भी दिल की सेहत के लिए फायदेमंद है।

घरेलू उपचार से
मधुमेह का इलाज संभव

बदलता परिवेश और रहन-सहन शहर में मधुमेह के मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा कर रहा है। खान-पान पर नियंत्रण न होना भी इसके लिए जिम्मेदार है। दीपावली के बाद विभिन्न अस्पतालों में जांच के लिए आने वाले मरीजों की संख्या में भी इजाफा हुआ है।

समाज में तेजी से पांव पसारते इस बीमारी का घरेलू उपचार भी कारगर है। मधुमेह में जामुन राम बाण है। आयुर्वेद में भी किसी दवा का इसके बगैर निर्माण नहीं होता है। उन्होंने बताया कि मधुमेह के मरीजों को जामुन के फल के साथ सुबह तुलसी की पांच पली और काली मिर्च का सेवन करना चाहिए। यह बेहद कारगर साबित होगा। आयुर्वेद में मधुमेह नाशक औषधि में जामुन और कैथ का विशेष उल्लेख है। यह दोनों मधुमेह को नष्ट कर यकृत को पेन्क्रियाज को इंसुलिन बनाने में सहायता प्रदान करती हैं। मधुमेह के रोगियों को इनका सेवन तत्काल और बड़ी सहायता देने में सहायक हैं।

ठंड में बढ़ जाती है परेशानी

मधुमेह रोगियों में शुगर का स्तर ठंड के मौसम में बढ़ जाता है। यह सिलसिला दिसंबर तक चलता है। इस दौरान विभिन्न त्योहार और शादियों का सीजन होना भी इसके पीछे बड़ा कारण है। इस दौरान 30-35 प्रतिशत रोगियों में शुगर का स्तर बढ़ जाता है। एक बार स्तर बढ़ जाने के बाद उसे सामान्य करने में लगभग एक माह का समय लग जाता है।

ठंड में मधुमेह रोगी बरते सावधानी

- अधिक ठंड होने पर धूप निकलने के बाद ही व्यायाम करने निकले।
- विशेषज्ञ की राय लेकर ही आहार का सेवन करें।
- दिनचर्या को नियमित बनाए और उसमें व्यायाम को शामिल करें।
- मधुमेह की नियमित जांच कराए।
- विशेषज्ञ के निर्देश से ही दवाओं का सेवन करें।

कारगर हैं
पिस्ता और बादाम

मधुमेह को हम साइलेंट किलर के तौर पर जानते हैं। डॉक्टरों के अनुसार उच्च रक्तचाप, हृदयाघात, किडनी फेल होना, अंधापन सहित कई जानलेवा बीमारियों के लिए यह जिम्मेदार है। लेकिन आज तक इस बीमारी का कोई कारगर इलाज चिकित्सा विज्ञान ढूंढ नहीं पाया है। डॉक्टरों का मानना है कि सूखे मेवे का संतुलित मात्र में नियमित सेवन मधुमेह से बचाव में कारगर है। नियमित व्यायाम के जरिए भी इस मीठे जहर को शरीर में फैलने से रोका जा सकता है। डॉक्टरों के अनुसार देश-विदेश में ऐसे कई शोध हो चुके हैं, जिनमें यह साबित हुआ है कि यदि मधुमेह के मरीज पिस्ता, बादाम और अखरोट प्रतिदिन खाएं तो शरीर में शुगर की मात्रा नियंत्रित रहती है। सूखे मेवों में फाइबर की मात्र ज्यादा होती है, जो शुगर को नियंत्रित करता है। जिन लोगों को मधुमेह नहीं है वह भी सूखे मेवे का इस्तेमाल कर सकते हैं। चिंता की बात यह है कि बिगड़ती जीवनशैली, जंक फूड, फास्ट फूड, स्मोकिंग व शराब के सेवन के चलते युवा इसके शिकार हो रहे हैं। इससे रक्तचाप व हृदय की बीमारियों के मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है।

मोटापा भी है बड़ा कारण

भारत में ज्यादातर टाइप-2 मधुमेह के मरीज हैं। इसका बड़ा कारण मोटापा है। दिल्ली में 17 से 20 प्रतिशत बच्चे अधिक वजन के हैं। इस वजह से बच्चे भी इसके शिकार हो रहे हैं।

गंजेपन से छुटकारा
दिलाएगी यह तकनीक

गंजेपन से परेशान हैं और सिर पर बालों की आस में तरह-तरह के नुस्खे आजमाकर तंग आ चुके हैं तो आपके लिए बड़ी खुशखबरी है।

गंजेपन से जुड़ी ये बातें हैं आपका भ्रम

वैज्ञानिकों ने एक ऐसी तकनीक विकसित की है जो सिर में बालों को उगाने में कामयाब मानी जा रही है। शोधकर्ताओं ने चूहों पर इस तकनीक का परीक्षण किया है। इसमें त्वचा की कोशिकाओं से बालों के फॉलिकल्स का निर्माण करने में सफलता प्राप्त की है।

बाल बहुत झड़ते हैं तो रोज करें बालायाम

कोलंबिया यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर के शोधकर्ताओं ने बालों को त्वचा पर अंकुरित अनाज की तरह ही उगाने में सफलता हासिल की है। हालांकि उनका मानना है कि अभी इस विधि पर उन्हें बहुत अधिक अध्ययन की आवश्यकता है लेकिन यह गंजेपन का एक पुख्ता इलाज हो सकता है, इसमें कोई शक नहीं है। फिलहाल गंजेपन के उपचार के लिए हेयर ट्रांसप्लांट विधि प्रचलित है जिसमें बालों का स्थानांतरण किया जाता है। कई बार यह विधि इसलिए कामयाब नहीं हो पाती है क्योंकि गंजे व्यक्ति के शरीर में हेयर फॉलिकल ही सीमित मात्रा में होते हैं।

शोधकर्ताओं का मानना है कि हेयर फॉलिकल उगाने से गंजेपन के उपचार के लिए यह हेयर ट्रांसप्लांट से कहीं अधिक कारगर विधि हो सकती है। शोधकर्ता डॉ. माइकल ग्रीन के अनुसार, शोध में हमें काफी सकारात्मक परिणाम मिले हैं और जल्द ही हम स्वाभाविक रूप से सिर पर दोबारा बाल उगाने में कामयाब होंगे। यह शोध प्रोसीडिंग ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

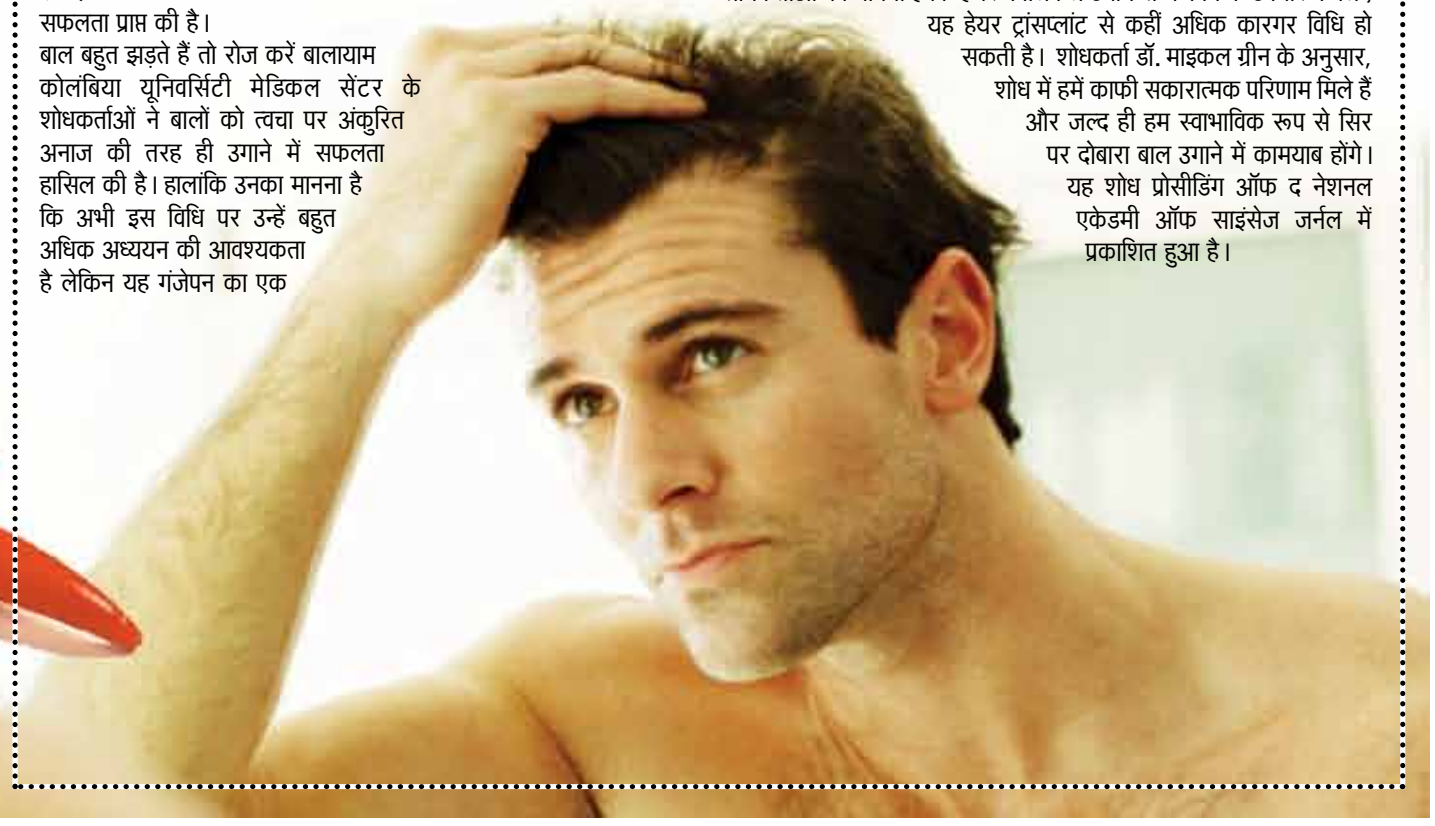

दादा ने क्यों कहा आकाश दीप पर रहेगी सभी की निगाहें

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू मैदान पर शुरू होने वाले दो मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट के लिए टीम की घोषणा की, टीम में तेज गेंदबाज आकाश दीप और यश दयाल को शामिल किया गया। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने आकाश दीप को उन खिलाड़ियों में से एक के रूप में नामित किया है, जिस पर बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से शुरू होने वाली भारत की दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए हर किसी को नजर होनी चाहिए। बांग्लादेश के खिलाफ 2 मैचों की सीरीज 19 सितंबर से शुरू होगी। पहला टेस्ट चेन्नई में और दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में होगा। तेज गेंदबाजी विभाग में जसप्रीत बुमराह

मोहम्मद सिराज के साथ लाइन-अप का नेतृत्व करने वाले है। दयाल को भारत से पहली बार टीम में शामिल किया गया है, जबकि आकाश इंग्लैंड के खिलाफ अपने एकमात्र टेस्ट में शामिल होना चाहते है। आकाश ने भारत बी के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुए दलीप ट्रॉफी मैच में भारत ए के लिए दोनों पारियों में 9 विकेट भी लिए। बहरहाल, गांगुली ने उन्हें एक उत्कृष्ट गेंदबाज कहा जो लंबे समय तक गेंदबाजी कर सकता है। दादा ने कहा कि आकाश दीप एक उत्कृष्ट युवा तेज गेंदबाज है। वह दौड़ता है, तेज गेंदबाजी करता है और लंबे समय तक गेंदबाजी करेगा। मैंने आकाश को लंबे समय तक बंगाल के लिए खेलते हुए, विकेट लेते हुए देखा है। वह ऐसा ही रहेगा। सिराज और शमी की तरह तेज, उच्च 140 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गेंदें फेंकने वाले खिलाड़ी है जिस पर नजर रखनी होगी। भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, आर जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मो. सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और यश दयाल।

भारतीय टीम के लिए बहुत अच्छा विकल्प हो सकते हैं मुशीरः दाहिया

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2024 के पहले मैच में शानदार शतक लगाने वाले मुशीर खान ने बेंगलुरु में भारत-ए बनाम भारत-बी दलीप ट्रॉफी मैच में दबाव में अपने स्वभाव से मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का ध्यान आकर्षित किया है। वहीं पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया ने कहा कि मुशीर को जो चीज अलग बनाती है, वह है उनकी मानसिकता, जो बहुत मजबूत है। मैं भविष्यवाणी नहीं कर सकता, लेकिन अगर वह लगातार रन बनाते रहे, तो वह भारतीय टीम के लिए एक बहुत अच्छा विकल्प हो सकते हैं। दहिया ने कहा कि मुशीर बल्लेबाजी की सबसे खास बात उनकी निरंतरता है। उन्होंने पिछले सीजन में जहां से छोड़ा था, वहीं से शुरुआत की। उन्होंने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल

और फाइनल में रन बनाए और फिर 2024 में घरेलू क्रिकेट के पहले दिन शतक ठोका। दलीप ट्रॉफी में अपने पदार्पण मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए दाएं हाथ के बल्लेबाज मशीर ने दूसरे छोर पर विकेट गिरने के बावजूद अपना धैर्य नहीं खोया और 181 रन बनाए जो उनका तीसरा प्रथम श्रेणी शतक था। उनकी मैराथन पारी ने भारत-बी को 94/7 के मुश्किल स्कोर से उबारा और 321 रन बनाने में सक्षम बनाया। जो निर्णायक कारक साबित हुआ और उन्होंने मैच 76 रनों से जीत लिया। रिपोर्ट के मुताबिक 19 साल के मुशीर खान ए शैडो टूर के लिए ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें तीन चार दिवसीय टेस्ट मैच होंगे। फिटनेस संबंधी किसी भी चिंता को छोड़कर मुशीर और राजस्थान के बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार चयन के लिए मजबूत दावेदार हैं। सुथार ने सौरभ कुमार को पीछे छोड़ दिया है और वे रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल के बाद दूसरे सर्वश्रेष्ठ बाएं हाथ के स्पिनर बन गए हैं।

क्रिकेट में हाथ आजमाने के बाद, विराट और धोनी के बराबर आए सैमसन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर संजू सैमसन मैदान से बाहर भी अपने पांव पसार रहे हैं। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज अब केरल के फुटबॉल क्लब मलप्पुरम एफसी के को-ऑनर बन गए हैं। इस तरह वह विराट कोहली और एमएस धोनी की सूची में शामिल होकर उनके बराबर आ गए हैं। क्लब और संजू सैमसन ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी साझा की है। केरल फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित सुपर लीग केरल का उद्घाटन सत्र सात सितंबर को हुआ था, जिसमें संजू की टीम मलप्पुरम एफसी ने शुरुआती मैच में फोरा कोच्चि को 2-0 से हराया। टूर्नामेंट में कुल छह टीमें भाग ले रही हैं जिनमें मलप्पुरम एफसी, फोर्का कोच्चि, कन्नूर वारियर्स, कालीकट एफसी, तिरुवनंतपुरम कोम्बन्स और त्रिशूर मैजिक शामिल हैं। लीग सात सितंबर से दस नवंबर तक चलेगी और मैच केरल के चार अलग अलग जगहों पर खेले जाएंगे। विराट कोहली और एमएस धोनी के बाद फुटबॉल क्लब में हिस्सेदारी खरीदने वाले संजू सबसे कम उम्र के भारतीय क्रिकेटर हैं। कोहली इंडियन सुपर लीग क्लब एफसी गोवा के को-ऑनर हैं। वहीं धोनी चेन्नईयिन एफसी के सह-मालिक हैं।

सैमसन के साथ बिस्मी ग्रुप के एमडी वी.ए. अजमल बिस्मी, डॉ. अनवर अमीन चेलट और बेबी नीलाम्बरा मलप्पुरम एफसी के सह-मालिक हैं। सैमसन मौजूदा समय में दलीप ट्रॉफी में खेल रहे हैं। बता दें सैमसन को आखिरी बार भारत के श्रीलंका दौरे पर देखा गया था, जहां उन्होंने तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली थी। वहां उनका प्रदर्शन खराब रहा था। वह लगातार दो बार जीरो पर आउट हो गए थे। अब देखना ये होगा कि बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए संजू सैसमन को चुना जाता है या नहीं। फिलहाल संजू फुटबॉल लीग में बिजी हैं।

टाटा मोटर्स ने ओलंपिक पदक विजेता मनु को उपहार में दी अत्याधुनिक टाटा कर्वी इलेक्ट्रिक कार

मुम्बई। टाटा मोटर्स ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर रिकार्ड बनाने वाली महिला निशानेबाज मनु भाकर को टाटा कर्वी इलेक्ट्रिक कार उपहार में दी है। टाटा कर्वी एक नई और आधुनिक इलेक्ट्रिक कार है। इसे टाटा मोटर्स ने पिछले महीने ही लॉन्च किया था। यह कार आधुनिक फीचर्स और आकर्षक डिजाइन वाली है। टाटा ईवी ने इस कार की विशेषता के बारे में अपनी एक पोस्ट में कहा, ओलंपिक में दोहरे पदक जीतने वाली भारत की पहली एथलीट भारत की पहली एसयूवी को घर ले गईं। इस विश्व इवी दिवस पर मनु को कर्वी ईवी वितरित कर हमें खुशी हुई है। यह कार टाटा मोटर्स के पहले ईवी-ओनली स्टोर - टाटा.ईवी स्टोर से मनु को सौंपी गयी। इस अवसर पर उनके माता-पिता, राम किशन भाकर और सुमेधा भाकर, भी उपस्थित थे। मनु इस कार को लेकर पोज देती भी दिखीं। यह एसयूवी ग्रे रंग की है और इसकी खूबसूरती ने सभी का ध्यान खींच है। टाटा मोटर्स के अनुसार यह उपहार मनु भाकर की खेल उपलब्धियों का सम्मान है और इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बढ़ते कदम को भी दिखाता है।

यूएस ओपन से बाहर हुए..... अल्काराज डेविस कप के लिए तैयार

मैड्रिड। कार्लोस अल्काराज का कहना है कि वे फिट हैं और सप्ताह के अंत में डेविस कप टेनिस के ग्रुप चरण में स्पेन का नेतृत्व करने को तैयार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, स्पेन का सामना कठिन ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, चेक गणराज्य और फ्रांस से होगा, इनके मैच वालेंसिया में खेले जाएंगे। प्रेसवार्ता में अल्काराज से यूएस ओपन में दूसरे दौर में निराशाजनक हार के बाद उनकी फिटनेस के बारे में पूछा गया, इससे पहले फ्रेंच ओपन और विंबलडन में उनकी जीत हुई और अगस्त में ओलंपिक रजत पदक मिला। अल्काराज ने स्वीकार किया कि, न्यूयॉर्क में, वह उस स्तर पर खेलने में कामयाब नहीं हुए जो उन्हें पसंद था, लेकिन उन्होंने कहा, उस स्तर पर प्रदर्शन करना बहुत मुश्किल है जो आप हर दिन चाहते हैं, और आपको करना होगा चीजें जैसी भी आएं उन्हें स्वीकार करने के लिए तैयार रहें। अल्काराज ने कहा कि कुछ दिनों के आराम और प्रशिक्षण के कारण बहुत तीव्र गर्मी के बाद उनमें तैयारी की कमी थी, जबकि उन्होंने जोर देकर कहा कि अब वह घर पर डेविस कप खेलने के लिए अच्छा और प्रेरित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मानसिक रूप से मैं सुधार जारी करने के लिए बहुत उत्सुक और प्रेरित

हूं, और शारीरिक रूप से मैंने डेविस कप और जो आने वाला है उसका सामना करने के लिए इष्टतम स्तर पर रहने के लिए न्यूयॉर्क में हारने के बाद से अच्छा काम किया है। अल्काराज ने खुलासा किया कि बोटिक वैन डे ज़ैंडस्चुल्प से हार के बाद, वह अन्य रुचियों के साथ समय बिता रहे थे। उन्होंने कहा, मेरे पास अपने दिमाग को शांत करने के लिए कुछ दिन थे। लेकिन हमने सोचा कि सबसे अच्छी बात प्रशिक्षण पर वापस जाना और शारीरिक रूप से फिट होना है।

व्यापार

शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ खुला। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रने से आई है। । शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 70 अंक करीब 0.08 फीसदी नीचे आकर 81,851 पर खुला। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 20 अंक तकरीबन 0.08 फीसदी टूटकर 25,020 पर पहुंच गया। आज भारती एयरटेल और एशियन पेंट्स के शेयरों में तेजी आई। निफ्टी ऑटो करीब 1 फीसदी नीचे आया। आर्थिक आंकड़ों के अलावा एशियाई बाजारों से आज सुबह कमजोर संकेत मिलने से भी भारतीय बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। निवेशक अमेरिका के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) डेटा का इंतजार कर रहे हैं, जिससे ब्याज दरों में कटौती की जानकारी हासिल की जा सके। आज सुबह 7:00 बजे, गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स 25,087 पर कामकाज कर रहा था। जापान के निक्केई 225 में 0.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स 0.86 फीसदी नीचे रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स भी 0.20 फीसदी गिरा हालांकि, कोसडैक इंडेक्स में 1.61 फिसदी की बढ़त रही। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स

200 इंडेक्स मामूली रूप से बढ़ा, जबकि हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स वायदा 17,072 पर दिखे, जो कि एसएसआई के पिछले बंद स्तर 17,190 से कम है। वहीं, कल अमेरिकी बाजारों में मिलाजुला कारोबार दर्ज किया गया। निवेशक अमेरिका के महंगाई आंकड़ों और अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव बहस का इंतजार कर रहे हैं। डाउ जोन्स 0.23 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि एसएंडपी 500 में 0.45 फीसदी की बढ़त रही। इसके अलाव नैस्डैक कंपोजिट में 0.84 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। इससे पहले एशियाई बाजारों में मिश्रित कारोबार से भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही।

भारत बना चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा 5जी बाजार

नई दिल्ली । भारत पहली बार चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5जी हैंडसेट बाजार बन गया है। भारत ने यह पोजीशन अमेरिका को पछाड़कर हासिल की है। जानकारी के अनुसार, 2024 की पहली छमाही में वैश्विक 5जी हैंडसेट शिपमेंट में 20 प्रतिशत (साल-दर-साल) की वृद्धि हुई। एप्पल 5जी हैंडसेट शिपमेंट में 25 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे रहा। एप्पल ने वैश्विक स्तर पर 5जी हैंडसेट शिपमेंट का नेतृत्व किया, जिसकी हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से अधिक है, जो आईफोन 15 और आईफोन 14 वेरिएंट की वजह से मजबूत हुआ है। 5जी हैंडसेट शिपमेंट लगातार बढ़ रहा है और बजट सेगमेंट में 5जी हैंडसेट की बढ़ती उपलब्धता के साथ उभरते बाजारों में इस सेगमेंट में तेज वृद्धि देखी गई है। विश्लेषक प्राचीर सिंह ने कहा, भारत पहली छमाही के दौरान अमेरिका को पछाड़कर दूसरा सबसे बड़ा 5जी हैंडसेट बाजार बन गया। बजट सेगमेंट में श्याओमी, विवो, सैमसंग और अन्य ब्रांडों की मजबूत शिपमेंट इसका मुख्य कारण थी। गैलेक्सी ए सीरीज और एस24 सीरीज के दम पर सैमसंग 21 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी हासिल करके दूसरे स्थान पर रहा है। 2024 की पहली छमाही में 5जी मॉडल फोन के लिए शीर्ष -10

सूची में एप्पल और सेमसंग ने पांच स्थान प्राप्त किए, जिसमें एप्पल शीर्ष चार स्थान पर रहा। कुल वैश्विक नेट ऐड में एशिया-पैसिफिक की हिस्सेदारी 63 प्रतिशत रही और 5जी शिपमेंट हिस्सेदारी 58 प्रतिशत रही। यूरोप और मध्य पूर्व और अफ्रीका (एमईए) क्षेत्रों में भी, 5जी हैंडसेट शिपमेंट में दोहरे अंकों में वृद्धि देखी गई। अनुसंधान निदेशक तरूण पाठक ने कहा कि जैसे-जैसे कम कीमत वाले खंडों में 5जी की पहुंच बढ़ेगी, 5जी नेटवर्क का विस्तार होगा और 5जी हैंडसेट की उपलब्धता बढ़ेगी, यह प्रवृत्ति और बढ़ेगी। अन्य उभरते बाजारों में भी 5जी हैंडसेट में उच्च वृद्धि देखी गई। उभरते बाजारों में उपभोक्ता 5जी हैंडसेट यहां तक कि कम कीमत वाले सेगमेंट में भी को अपने डिवाइस के अपग्रेड के रूप में देख रहे हैं।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में उछाल के साथ ही घरेलू बाजार में भी बुधवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी रही। सोने के वायदा भाव 72,000 रुपये के करीब जबकि चांदी के वायदा भाव 84,000 रुपये के ऊपर रहे। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का अक्टूबर अनुबंधर आज 88 रुपये की बढ़त के साथ ही 72,001 रुपये के भाव पर खुला। वहीं एक समय यह अनुबंध 120 रुपये की तेजी के साथ 72,033 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। ये 72,044 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 72,000 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंच। सोने का वायदा भाव इस साल 74,471 रुपये के भाव के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा था। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी आज तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध आज 260 रुपये की तेजी के साथ 83,941 रुपये पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह अनुबंध 439 रुपये की बढ़त के साथ ही 84,120 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 84,144 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 83,941 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। वहीं इस साल चांदी के

वायदा भाव 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कामेक्स पर सोना 2,545.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 2,543.10 डॉलर प्रति औंस था। एक समय यह 5.30 डॉलर की तेजी के साथ 2,548.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.72 डॉलर के भाव पर खुले, इसका पिछला बंद भाव 28.61 डॉलर था।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों में गिरावट आई है। दिसंबर 2021 के बाद पहली बार ब्रेंट फ्यूचर 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आया है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल के दामों में बदलाव आया है। असम, कर्नाटक और केरल में पेट्रोल सस्ता हुआ है, जबकि एमपी, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में कीमतें बढ़ी हैं। वहीं गाजियाबाद में पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। चारों

महानगरों की बात करें तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.85 रुपये और डीजल 92.43 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर हैं।

हीरो डेस्टीनी 125 स्कूटर को नए अवतार में पेश

नई दिल्ली। वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकार्प ने अपने हीरो डेस्टीनी 125 स्कूटर को नए अवतार में पेश कर दिया है। 2024 हीरो डेस्टीनी भारतीय बाजार में होंडा एक्टिवा 125, टीवीएस जुपिटर 125 और सुजुकी एक्सेस 125 जैसे मॉडलों को टक्कर देगी। इस स्कूटर में कई बदलाव किए गए हैं, जिसमें डिजाइन से लेकर फीचर्स तक शामिल हैं। यह स्कूटर कुल तीन वेरिएंट्स वीएक्स (बेस वेरिएंट), झेडएक्स (मिड वेरिएंट) और झेडएक्स + (टॉप वेरिएंट) में लाया गया है। इसमें कुल 5 कलर ऑप्शन एटर्नल व्हाइट, रेगल ब्लैक, मिस्टिक मैजेंटा), कॉस्मिक ब्लू और ग्रूवी रेड दिए गए हैं।हीरो डेस्टीनी 125 में एलईडी डीआरएल, एलईडी प्रोजेक्टर हैडलाइट्स, कॉपर क्रोम इंसर्ट्स, 12 इंच अलॉय व्हील्स, डिजिटल स्पीडोमीटर, टर्न बाय टर्न नेविगेशन, डिस्टेंस टू एंपटी,

ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, ऑटो केंसिल विंकर्स, इल्यूमिनेटिड स्टार्ट स्विच, सीट बैकरेस्ट, लंबी सीट, आई3एस तकनीक, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट, फ्रंट एप्रन पर दो लीटर क्यूबी और 19 लीटर के बूट स्पेस के साथ फ्रंट एप्रन पर तीन किलोग्राम के वजन के लिए हुक, 190 एमएम फ्रंट डिस्क ब्रेक, साइड स्टैंड इंजन कटऑफ जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इस स्कूटर में 124.6 सीसी का सिंगल सिलेंडर एयर-कूल्ड इंजन दिया गया है। यह इंजन 9 बीएचपी की पावर और 10.4 न्यूटन मीटर का टॉर्क उत्पन्न करता है। स्कूटर की बेहतर माइलेज के लिए इसमें फ्यूल इंजेक्शन तकनीक शामिल है।

आलिया भट्ट

की 'जिगरा' का 31 साल पुराना कनेक्शन, महेश भट्ट की इस फिल्म से जुड़ी है कहानी!

आलिया भट्ट की अपकमिंग फिल्म 'जिगरा' का जब पोस्टर रिलीज किया गया था तो उसमें आलिया के इंटेस लुक ने हर किसी को अट्रैक्ट किया था. अब फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज कर दिया गया है, जिससे लोगों की एक्साइटमेंट बहुत ज्यादा बढ़ गई है. जिगरा का ट्रेलर कल यानी 8 सितंबर को रिलीज किया गया है. जिसके बाद हर कोई इसकी तारीफ कर रहा है. फिल्म में आलिया को अलग अवतार में देखा जा रहा है जिसे लोगों ने खूब पसंद किया है. फिल्म की कहानी भाई-बहन के बॉन्ड को दिखाती है, फिल्म में आलिया के भाई का रोल वेदांग रैना निभा रहे हैं.

'जिगरा' एक एक्शन थ्रिलर है, जिसे वसन बाली ने डायरेक्ट किया है. फिल्म के कॉन्सेप्ट को काफी सराहना मिल रही है. हाल ही में इस फिल्म से जुड़ा एक बड़ा खुलासा हुआ है. बॉलीवुड हंगामा के एक सूत्र के हवाले से खबर आई है, वसन बाली की इस फिल्म की कहानी श्रीदेवी की फिल्म 'गुमराह' से ली गई है. हालांकि, फिल्म में काफी बदलाव भी किए गए हैं, लेकिन फिल्म का प्लॉट सेम है. साल 1993 में आई फिल्म 'गुमराह' में श्रीदेवी, संजय दत्त और राहुल रॉय ने मुख्य भूमिका निभाई थी.

एक जैसी है 'गुमराह' और 'जिगरा' की कहानी ?

'गुमराह' एक लव एंगल के साथ बनाई गई है. ये कहानी उस लड़के की है जो एक लड़की से प्यार करता है और किन्हीं वजहों से वो लड़की फॉरेन के जेल में कैद हो जाती है. आगे फिल्म में ये दिखाया गया है कि वो किस तरह से उसे जेल से निकालने की कोशिश करता है. 'गुमराह' का रीमेक बनाने के लिए फिल्म मेकर्स ने इसकी कहानी में अहम बदलाव किया, जिसमें सबसे पहला बदलाव ये है कि 'जिगरा' में एक्ट्रेस अपने भाई को बचाने की कोशिशों में लगी है और दूसरा बड़ा बदलाव ये किया गया कि ये लव एंगल नहीं बल्कि भाई-बहन की कहानी है. फिल्म के ट्रेलर में आलिया जबरदस्त एक्शन करते नजर आ रही हैं. फिल्म में आदित्य नंदा, मनोज पाहवा और राहुल रविंद्रन जैसे एक्टर्स भी काम कर रहे हैं.

धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी थी फिल्म

धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बने इस फिल्म के लिए 'गुमराह' के राइट्स लेना कोई मुश्किल का काम नहीं था, क्योंकि गुमराह भी धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाई गई थी. 'गुमराह' को आलिया भट्ट के पिता महेश भट्ट ने डायरेक्ट किया था और अब आलिया इस के रीमेक में लीड एक्ट्रेस के तौर पर हैं. इस फिल्म को आलिया भट्ट और उनकी बहन शाहीन भट्ट का प्रोडक्शन हाउस इटरनल सनशाइन प्रोडक्शन प्रोड्यूस कर रहा है.

इससे पहले इसी प्रोडक्शन हाउस ने डार्लिंग को प्रोड्यूस किया था. आलिया भट्ट की 'जिगरा' इस साल आने वाली उनकी एकलौती फिल्म है, जो कि 11 अक्टूबर को रिलीज होगी. फिलहाल आलिया [illegible] स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' की शूटिंग कर रही हैं, जिसमें बॉबी देओल और शरवरी वाघ भी नजर आएंगे. 'अल्फा' के अलावा अगले साल आलिया संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' में भी नजर आएंगी. इस फिल्म में उनके साथ रणबीर कपूर और विकी कौशल होंगे.

श्रद्धा कपूर

की 'स्त्री 2' के आगे 'पठान' ने टेके घुटने, इन 3 साउथ फिल्मों को भी चटाई धूल

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की Stree 2 का आज 26वां दिन है. 15 अगस्त को फिल्म ने सिनेमाघरों में दस्तक दी थी. इतने दिन बाद भी स्त्री की आंधी रुकने का नाम नहीं ले रही है. फिल्म की कमाई में पिछले दिनों के मुकाबले बढ़ोतरी हुई है. पहले ही दिन से 'स्त्री 2' बड़े-बड़े रिकॉर्ड्स तोड़ते हुए आ रही है. यह सिलसिला लगातार जारी है. इसी बीच 25वें दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ गए हैं. इसके मुताबिक, 'स्त्री 2' ने शाहरुख खान की 'पठान' को धूल चटा दी है. वहीं तीन बड़ी साउथ फिल्मों को पीछे छोड़ते हुए 25वें दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है.

'स्त्री 2' का कुल कलेक्शन कितना है ?

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की फिल्म चौथे रविवार भी खूब धूम मचा रही है. फिल्म ने 25वें दिन 11 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है. इसी के साथ फिल्म ने भारत से कुल 527.25 करोड़ की कमाई कर ली है. हालांकि चौथे रविवार की कमाई बीते दो दिनों के मुकाबले काफी ज्यादा है. 24वें दिन फिल्म ने 8.5 करोड़ का कलेक्शन किया था. वहीं 23वें दिन 4.5 करोड़ की कमाई हुई थी. हालांकि, 25 दिनों में फिल्म दुनियाभर से 751 करोड़ कमा चुकी है. ओवरसीज कलेक्शन 121.75 करोड़ पहुंच चुका है. वहीं इंडिया का ग्रॉस कलेक्शन 629.25 करोड़ रुपये है. 50 करोड़ के बजट में बनी 'स्त्री 2' कई गुना ज्यादा पैसे छाप चुकी है.

'स्त्री 2' ने 25वें दिन तोड़ा शाहरुख की 'पठान' का रिकॉर्ड

दरअसल श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की Stree 2 25वें दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है. 10.75 करोड़ की कमाई करते हुए पहले पायदान पर आ गई है. जबकि शाहरुख खान की 'पठान' ने 25वें दिन पर सिर्फ 3.25 करोड़ का कारोबार किया था. इस लिस्ट में यह फिल्म छठे नंबर पर है. हालांकि जिस मामले में 'स्त्री 2' ने 'पठान' को धूल चटाई है, वो है हिंदी नेट कलेक्शन. 25 दिनों में जहां श्रद्धा कपूर की फिल्म 527.25 करोड़ छाप चुकी है. तो वहीं 'पठान' 524.53 करोड़ ही कमा पाई थी. इसी के साथ 'जवान' को भी पीछे छोड़ चुकी है. फिल्म ने 25वें दिन 9.12 करोड़ कमाए थे.

वो प्रोड्यूसर, कमाई के मामले में जिसका शाहरुख, सलमान और आमिर खान मिलकर भी मुकाबला नहीं कर पाते!

अगर बात पूछी जाए कि बॉलीवुड हस्तियों में सबसे ज्यादा प्रॉपर्टी किसके पास है, तो हर किसी का जवाब शाहरुख खान या सलमान खान आएगा. लेकिन ऐसा है नहीं, इस फिल्मी दुनिया में एक ऐसे प्रोड्यूसर हैं जिन्होंने रईसी के मामले में हर किसी को पछाड़ दिया है. यहां तक कि तीनों खान- सलमान, शाहरुख और आमिर की पूरी संपत्ति को मिला भी दिया जाए तब भी इस फिल्म प्रोड्यूसर की नेटवर्थ से कम ही होगा. हम बात कर रहे हैं 'उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक', 'केदारनाथ' और भी कई फिल्मों को प्रोड्यूस कर चुके रॉनी स्क्रूवाला की. रॉनी RSVP फिल्म प्रोडक्शन कंपनी के फाउंडर हैं.रॉनी का जन्म मुंबई में हुआ और वहां के स्कूल और कॉलेज में उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की. स्कूल के दौर से ही रॉनी को थिएटर में दिलचस्पी थी, जिसकी वजह से उन्होंने बॉम्बे थिएटर में प्ले करना शुरू कर दिया. उन्होंने 'शेक्सपियर के ओथेलो' और 'डेथ ऑफ ए सेल्समैन' जैसे कई शानदार नाटकों में पार्टिसिपेट किया. साल 1990 में रॉनी ने 37 हजार रुपए का इन्वेस्ट करके यूटीवी नाम का अपना पहला टेलीविजन प्रोडक्शन हाउस शुरू किया. धीरे-धीरे करके उन्होंने इसे एक मीडिया ग्रुप में बदल दिया, जिसमें फिल्म प्रोडक्शन स्टूडियो यूटीवी मोशन पिक्चर्स भी शामिल था.

बनाई गई कई कमाल की फिल्म

यूटीवी प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले कई फिल्में बनाई गई, जिसमें 'स्वदेश', 'रंग दे बसंती', 'बर्फी' और 'हैदर' का नाम शामिल है. बाद में साल 2012 में रॉनी ने इस प्रोडक्शन को वॉल्ट डिज्नी को 3.7 हजार करोड़ रुपए में बेच दिया. यूटीवी को बेचने के बाद रॉनी ने RSVP फिल्म प्रोडक्शन कंपनी को लॉन्च किया, जिसके बैनर तले 'रात अकेली है', 'सोनचिरैया', 'द स्काई इज पिंक', 'सैम बहादुर', 'तेजस' जैसी बेहतरीन फिल्में बनी. इनमें से ज्यादातर फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है.

कितनी है रॉनी स्क्रूवाला की नेट वर्थ ?

हाल ही में आई हुरुन इंडिया रिच लिस्ट में रॉनी स्क्रूवाला की नेटवर्थ बताई गई, जो कि 13 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की है. वहीं अगर इसकी तुलना तीनों खान से की जाए तो इसी लिस्ट के मुताबिक, शाहरुख खान की नेटवर्थ 7,300 करोड़ रुपए है, सलमान खान की 2,900 करोड़ रुपए और एक दूसरी रिपोर्ट के मुताबिक, आमिर खान की नेट वर्थ 1800 करोड़ रुपए से ज्यादा की है.

बेटी के जन्म से पहले वो 3 मौके, जब-जब Deepika Padukone ने बड़े पर्दे पर निभाया मां का किरदार

बॉलीवुड के फेमस कपल दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के घर गणेश चतुर्थी के अगले दिन 8 सितंबर को लक्ष्मी का आगमन हुआ. इस पल का इंतजार कपल को काफी वक्त से था. दोनों की शादी साल 2018 में हुई थी. दीपिका ने इस साल के शुरुआत में ही लोगों के साथ इस खुशखबरी को शेयर किया था. कुछ दिन पहले इस कपल को सिद्धिविनायक मंदिर में दर्शन करते कैप्चर किया गया था. पेरेंट्स बनने के कुछ वक्त बाद दोनों ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपना पहला रिएक्शन दिया. असल जिंदगी से हटकर अगर फिल्मों को बात करें तो दीपिका ने कई बार मां का रोल निभाया है.एक्शन, रोमांस, इमोशनल और न जाने कितनी तरह के किरदारों को दीपिका ने अपनी फिल्मों में पोट्रे किया है. उन्हें बॉलीवुड की उम्दा कलाकार के तौर पर जाना जाता है. प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो दीपिका ने हमेशा ही चैलेंजिंग रोल निभाए हैं, जिसके लिए उन्हें सराहना मिली है. फिल्मी दुनिया में दीपिका कई बार मां के किरदार में नजर आई हैं और लोगों ने उन्हें खूब पसंद भी किया है.

वो फिल्में जिसमें दीपिका ने निभाया मां का किरदार

'जवान'

साल 2023 में शाहरुख खान की 'जवान' आई, जो कि एक सुपरहिट फिल्म रही. इस फिल्म में दीपिका ने कैमियो किया, हालांकि उनका स्क्रीन टाइम कम था लेकिन उनके दमदार परफॉर्मेंस ने लोगों के दिलों में खास जगह बना ली. फिल्म में दीपिका ने ऐश्वर्या राठौर का रोल निभाया है, जो कि शाहरुख खान की मां का किरदार है. फिल्म में शाहरुख खान डबल रोल में नजर आए थे.

'कल्कि 2898 एडी'

इस साल रिलीज हुई दीपिका, प्रभास, अमिताभ बच्चन की स्टारर 'कल्कि 2898 एडी' ने काफी तारीफें बटोरी हैं. नाग अश्विन की डायरेक्ट की हुई एक्शन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी. फिल्म में दीपिका को बेबी बंप के साथ देखा गया. कहा जा रहा है कि फिल्म की कहानी दीपिका के इस अजन्मे बच्चे के साथ आगे बढ़ेगी. फिल्म में दिशा पाटनी और कमल हसन ने भी मुख्य भूमिका निभाई है.

'बाजीराव मस्तानी'

साल 2015 में आई 'बाजीराव मस्तानी' में भी दीपिका ने 6 साल के बच्चे की मां का रोल निभाया है. फिल्म में दीपिका मस्तानी बाई और रणवीर सिंह पेशवा बाजीराव के किरदार में थे. इसे संजय लीला भंसाली ने डायरेक्ट किया था. बाजीराव मस्तानी में दीपिका ने स्ट्रॉन्ग मदरहुड दिखाया है, उन्होंने बच्चे को गोद में लेकर तलवारबाजी भी की है. फिल्म में प्रियंका चोपड़ा बाजीराव की पहली पत्नी काशीबाई के किरदार में दिखी.